राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 19 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-284 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में राहुल बोले-आर्थिक संकट की कगार पर भारत

कहा-बेरोजगारी और एजुकेशन सिस्टम भी है बड़ी समस्या नितिन नवीन बोले-इकोनॉमी नहीं, उनकी सोच है डिजास्टर



न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'राहुल विदेश में जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। वो भारत की इकोनॉमी को डिजास्टर बताते हैं, लेकिन भारत नहीं उनकी सोच डिजास्टर है।'

वोटों के अंतर को बताया असंभव

राहुल ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर हमारी पार्टी (कांग्रेस) के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं।' राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है।

आर्मी के सीनियर ऑफीसर्स की फिर से बदलेगी ड्रेस

1 दिसंबर से गोरखा हैट,मैरून-ब्लैक बेरेट और रेजिमेंटल पहचान फिर लौटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अफसरों की ड्रेस में 2023 में किए बदलाव वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल फिर अपनी पहचान वाली हैट पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अफसर मैरून बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अफसर ब्लैक बेरेट पहन सकेंगे। वरिष्ठ अफसर अधिकृत वर्दी के साथ अपनी पारंपरिक रेजिमेंट या कोर से जुड़े चिन्ह भी लगा सकेंगे। यह बदलाव ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अफसरों पर लागू होगा। 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एक जैसी पहचान बनाने के लिए वर्दी के कई सामान एक जैसे कर दिए थे। उस नीति में अफसरों की मूल रेजिमेंट और सर्विस की पहचान दिखाने वाले चिन्ह हटा दिए गए थे।



पिछले हफ्ते एनएसजी कमांडो की यूनिफॉर्म बदलने का फैसला हुआ था- ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।

इसी साल भारतीय फौज की फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल हुई

इसी साल जून में भारतीय सेना ने 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया था। नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है। पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा। सेना इससे पहले फरवरी 2023 में भी कई पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है। इनमें समारोहों में घोड़ा-गाड़ी का इस्तेमाल, रिटायरमेंट के दौरान 'पुल आउट' इवेंट और डिनर में पाइप बैंड की परंपरा शामिल थी।

कुलगाम हमले का आरोपी आखिरी आतंकी भी ढेर

फोर्स की एक जॉइंट टीम ने लतीफ भट का किया एनकाउंटर





नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में 11 नवंबर को सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग टीम पर हमला करने वाला आतंकी लतीफ भट एनकाउंटर में ढेर हो गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लतीफ जिस मस्जिद में छिपा था वहां से जैसे ही वह बाहर आया तो सुरक्षाबलों ने उसे मार गिराया। बुधवार सुबह से ही खुफिया जानकारी के आधार पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स का संयुक्त ऑपरेशन कुलगाम जिले के देवसर में जंगलपोरा गांव में चल रहा था। सुरक्षाबलों ने लतीफ को इस इलाके में घेर लिया था, जिसके बाद उसने इलाके में स्थित एक मस्जिद में शरण ले ली।

सुरक्षाबलों को डेडबॉडी के पास मिला हथियार

कश्मीर जोन पुलिस की ओर से इस एनकाउंटर से जुड़ी जो जानकारी साझा की गई है उसमें बताया गया है कि जिस जगह मुठभेड़ चल रही थी वहां एक आतंकी को मार गिराया गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकी की डेडबॉडी को रिकवर कर लिया है। उसके पास से एक हथियार भी बरामद हुआ है। बता दें कि लतीफ घाटी में लश्कर का आखिरी लोकल एक्टिव आतंकी था।

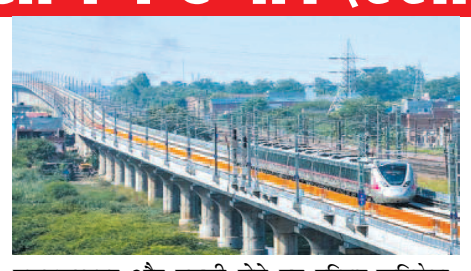
लतीफ ने सरेंडर करने से कर दिया था इनकार

इस एनकाउंटर से पहले लतीफ को सरेंडर करने का विकल्प भी मिला था। इंडियन आर्मी के हवाले से सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें सुरक्षा अधिकारी लतीफ भट से वीडियो कॉल के जरिए सरेंडर करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन लतीफ सरेंडर करने से इनकार कर रहा है। अगर तुम सरेंडर कर दोगे तो तुम्हारी जान बख्श दी जाएगी, लेकिन नहीं माना।

नमो भारत आसान करेगी दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश का सफर

150 किमी कॉरिडोर का प्राथमिक सर्वे शुरू, खुलेगा नया रास्ता

मेरठ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले लोगों के लिए नमो भारत रैपिड ट्रेन से सफर का रास्ता खुल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत कॉरिडोर बनाने की संभावनाओं पर प्राथमिक सर्वे शुरू कर दिया है। करीब 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित रूट के लिए दो विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला विकल्प मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन से दौराला, खतौली,



मुजफ्फरनगर और रुड़की होते हुए हरिद्वार-ऋषिकेश तक ट्रेन पहुंचाने का है। वहीं, दूसरे विकल्प में मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की और हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावना तलाशी जा रही है। इसके लिए एनसीआरटीसी ने सिंचाई विभाग से गंगनहर पटरी मार्ग से जुड़ी जानकारी मांगी है। हालांकि, अभी यह योजना शुरुआती स्तर पर है और अंतिम रूट डीपीआर बनने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मोदीपुरम से हरिद्वार तक रूट जोड़ने की तैयारी- दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत रैपिड ट्रेन कॉरिडोर की शुरुआत 22 फरवरी 2026 को हो चुकी है। एनसीआरटीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉरिडोर पर हर महीने करीब 32 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। अब इसी नेटवर्क को हरिद्वार और ऋषिकेश तक विस्तार देने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन चलाने का विकल्प तैयार किया जा रहा है।

गंगनहर पटरी से मोदीनगर को जोड़ने पर भी मंथन

हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन पहुंचाने के लिए मोदीपुरम के अलावा गंगनहर पटरी का विकल्प भी सामने आया है। इस विकल्प के तहत मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की, हरिद्वार और ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस संबंध में एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने सिंचाई विभाग से तकनीकी पहलुओं पर बातचीत की है। गंगनहर पटरी मार्ग की उपलब्ध जानकारी भी मांगी गई है। हालांकि, अभी जमीन की उपलब्धता या अधिग्रहण को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

भारत से 'आकाश' और 'पिनाका' सिस्टम भी खरीदेगा फिलीपींस

नए रक्षा सौदे की है तैयारी, चीन को मिलेगा करारा जवाब

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने इस महीने कहा था कि भारत के साथ सिर्फ ब्रह्मोस मिसाइल ही नहीं बल्कि एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे कई हथियारों को लेकर भी उनका देश समझौता करना चाहता है। अब दोनों देशों के बीच अपनी डिफेंस पार्टनरशिप को विस्तार देने के लिए तेज रफ्तार से बातचीत चल रही है। फिलीपींस भारत से और ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के अलावा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, हेलीकॉप्टर और अंतरिक्ष सहयोग को लेकर बातचीत कर रहा है।



भुगतान के लिए नये तरीकों पर चल रही बातचीत

फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की कम से कम 6 और बैटरी खरीदने पर विचार कर रहा है। फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से कई प्रस्तावों पर बातचीत एडवांस स्तर तक पहुंच चुकी है।

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों उम्मीदवारों को बड़ी राहत

25 साल बाद एमपी में खत्म हुआ दो बच्चों वाला नियम

स्पेशल कैबिनेट मीटिंग में सिविल सेवा नियम में संशोधन को मंजूरी

भोपाल (एजेंसी) मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए बड़ी खबर है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बाद एमपी सरकार ने भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम खत्म कर दिया है, जो 25 साल से लागू था। बुधवार को हुई स्पेशल कैबिनेट बैठक में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब तीसरा बच्चा होने पर न तो किसी सरकारी कर्मचारी की नौकरी जाएगी और नही नई भर्तियों में तीन बच्चों वाले उम्मीदवारों





को अयोग्य माना जाएगा। मध्य प्रदेश की सरकारी भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम 26 जनवरी 2001 के बाद से लागू था। तत्कालीन दिग्विजय सरकार ने इस नियम को जनसंख्या नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया था।

सुप्रीम कोर्ट और एमपी कोर्ट ने सरकार से किए थे सवाल

हाल के कुछ वर्षों में सरकारी भर्तियों में टू-चाइल्ड पॉलिसी को व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन के रूप में देखा जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी प्रासंगिकता पर टिप्पणी की थी और एमपी कोर्ट ने भी नौकरी लगने के बाद तीसरा बच्चा होने पर नियम लागू होने को लेकर सरकार से सवाल किए थे। हाल ही में इस नियम को हटाने में तब तेजी आई जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में प्रजनन दर 2.1 है, लेकिन समाज के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए 3 बच्चों का होना जरूरी है।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में लागू था नियम

मध्य प्रदेश अकेले ऐसा राज्य नहीं है, जहां सरकारी नौकरियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम लागू था। राजस्थान सरकार ने इसे साल 2016 और छत्तीसगढ़ सरकार ने इसे 2017 में खत्म कर दिया था। वहीं आंध्र प्रदेश ने तीसरे बच्चे पर 25000 रुपये के प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की है। टू-चाइल्ड पॉलिसी के चलते हजारों कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। स्कूल, कॉलेज और मेडिकल कॉलेजों के सरकारी कर्मचारियों के 8 से 10 हजार मामले तीसरी संतान को लेकर विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई के दायरे में थे, जिन्हें अब बंद कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने साफ कर दिया है कि इस नियम के चलते जिन कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है या कार्रवाई में आखिरी फैसला हो चुका है, उन्हें वापस नहीं लाया जाएगा। यानी सेवा से बाहर चुके सरकारी कर्मचारियों को कोई राहत नहीं मिलेगी।

भोपाल के वैज्ञानिकों ने बनाई देश की पहली स्वदेशी वैक्सीन

बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस से बचेंगी मुर्गियां व पोल्ट्री उद्योग एमपी के लिए बड़ी उपलब्धि, एक डोज छह महीने करेगा सुरक्षा

भोपाल (एजेंसी)। बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस एच5एन1 से मुर्गियों और पोल्ट्री उद्योग को बचाने के लिए भोपाल के वैज्ञानिकों ने देश का पहला स्वदेशी टीका विकसित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान ने यह टीका वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए के खिलाफ तैयार किया है। इसकी एक खुराक से मुर्गियों को छह महीने तक सुरक्षा मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को भोपाल स्थित संस्थान परिसर में इसे लॉन्च करेंगे। यह निष्क्रिय टीका है। इसके परीक्षणों में अंडा देने वाली और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों में अच्छे परिणाम मिले हैं। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से पोल्ट्री फार्मों में लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों के टीकाकरण के लिए किया जाएगा। अब तक भारत में इस वायरस स्ट्रेन के खिलाफ व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वदेशी टीका उपलब्ध नहीं था।



अंडा देने और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों को ज्यादा फायदा- इस टीके का सबसे ज्यादा फायदा लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों को होगा। लेयर्स का इस्तेमाल अंडा उत्पादन और ब्रीडर्स का इस्तेमाल प्रजनन के लिए किया जाता है। इनका जीवनकाल ब्रॉयलर मुर्गियों से ज्यादा होता है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक संक्रमण से बचाना जरूरी है। छह महीने तक सुरक्षा मिलने से बार-बार टीकाकरण की जरूरत भी कम होगी।

इंसानों में संक्रमण का खतरा कम करने में भी मिलेगी मदद- एच5एन1 वायरस इंसानों को भी संक्रमित कर सकता है। संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आने से मनुष्यों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इससे तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी और गंभीर निमोनिया हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, 2003 से अब तक दुनियाभर में इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के 1,003 मामले सामने आए हैं। इनमें 479 लोगों की मौत हुई है। मुर्गियों में संक्रमण रोकने से वायरस के प्रसार का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए नियमित निगरानी, फार्मों में जैव सुरक्षा और संक्रमित पक्षियों से दूरी बनाए रखना भी जरूरी होगा।

दूसरे देशों के टीके भारतीय वायरस के लिए कारगर नहीं थे

चीन, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों में भी बर्ड फ्लू के टीके विकसित किए गए हैं। हालांकि, ये वहां पाए जाने वाले वायरस के अलग-अलग क्लेड के आधार पर तैयार किए गए हैं। भारत में एच5 एन1 का क्लेड 2.3.2.1ए मुर्गियों के लिए गंभीर चुनौती रहा है। भोपाल के वैज्ञानिकों ने इसी वायरस स्ट्रेन को ध्यान में रखकर स्वदेशी टीका तैयार किया है। इस टीके का इस्तेमाल व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। तय मानकों के अनुसार पशु चिकित्सकों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की देखरेख में मुर्गियों को इसकी खुराक दी जाएगी। इसका उद्देश्य बर्ड फ्लू के संक्रमण को रोकना और पोल्ट्री उद्योग को होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंगाल की खाड़ी में 13 साल बाद मौसम का बड़ा बदलाव, 20 दिन में तीसरे चक्रवाती तूफान की आहट से तटीय राज्यों में बढ़ी चिंता

संभावित तूफान को देखते हुए ओडिशा सरकार ने सभी जिलों में सतर्कता जारी कर दी है। तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों में बचाव तथा राहत की तैयारियां शुरू की जा रही हैं। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु को भी मौसम विभाग ने सावधान रहने की सलाह दी है। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि समय रहते लोगों तक सही सूचना पहुंचे और किसी भी आपात स्थिति में राहत कार्य तुरंत शुरू किए जा सकें। समुद्र में जाने वाले मछुआरों को मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करना चाहिए।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

प्रकृति का मिजाज कब बदल जाए, इसका अनुमान लगाना हमेशा आसान नहीं होता। कभी तेज गर्मी और कभी बेमौसम बारिश तो कभी अचानक आने वाले तूफान जनजीवन को प्रभावित कर देते हैं। इन दिनों बंगाल की खाड़ी में बन रहा नया मौसमी सिस्टम इसी बदलते मौसम की एक बड़ी चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में तीन सप्ताह के भीतर तीसरा चक्रवाती तूफान बनने की आशंका जताई गई है। यदि यह सिस्टम चक्रवाती तूफान का रूप लेता है तो इसे अकवान नाम दिया जा सकता है। खास बात यह है कि करीब 13 साल बाद इतनी कम अवधि में बंगाल की खाड़ी में लगातार तीन चक्रवाती तूफान बनने की स्थिति सामने आ रही है।

मौसम में इस असामान्य बदलाव ने मौसम वैज्ञानिकों के साथ-साथ तटीय राज्यों की सरकारों की चिंता भी बढ़ा दी है। बंगाल की खाड़ी में रविवार को एक कम दबाव का क्षेत्र विकसित होकर डिप्रेशन में बदल गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह सिस्टम आगे बढ़ते हुए सोमवार तक चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है और 17 नवंबर तक इसकी तीव्रता गंभीर चक्रवाती तूफान जैसी हो सकती है। फिलहाल इसका सटीक रास्ता और समुद्र तट से टकराने का स्थान तय नहीं हुआ है। अगले 24 घंटों में इसकी दिशा और प्रभाव को लेकर स्थिति अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।

इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 2013 में भी बंगाल की खाड़ी में नवंबर और दिसंबर के दौरान लगातार चक्रवाती गतिविधियां देखने को मिली थीं। उस वर्ष 19 नवंबर को हेलेन, 23 नवंबर को लहर और 6 दिसंबर को माडी नाम के तूफान बने थे। इससे पहले अक्टूबर में फाइलिन तूफान ने भी इसी क्षेत्र में दस्तक दी थी। इस तरह कुछ ही महीनों में चार बड़े तूफानों का बनना मौसम के लिहाज से असामान्य घटनाक्रम था। अब 13 साल बाद एक बार फिर कम समय में लगातार तूफान बनने की आशंका ने मौसम के बदलते स्वरूप पर चर्चा शुरू कर दी है।

बंगाल की खाड़ी में बनने वाले चक्रवाती तूफानों का प्रभाव केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहता। इनका असर तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ अंदरूनी इलाकों में भी देखने को मिलता है। तेज हवाएं, भारी बारिश, समुद्र में ऊंची लहरें और निचले क्षेत्रों में पानी भरने जैसी समस्याएं आम जनजीवन को प्रभावित कर सकती हैं। विशेष रूप से मछुआरों, किसानों, छोटे व्यापारियों और समुद्र के किनारे रहने वाले परिवारों के लिए ऐसे तूफान बड़ी चुनौती बन जाते हैं। कई बार खेतों में खड़ी फसल बर्बाद हो जाती है और बिजली, सड़क तथा संचार व्यवस्था भी प्रभावित होती है।

संभावित तूफान को देखते हुए ओडिशा सरकार ने सभी जिलों में सतर्कता जारी कर दी है। तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों में बचाव तथा राहत की तैयारियां शुरू की जा रही हैं। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु को भी मौसम विभाग ने सावधान रहने की सलाह दी है। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि समय रहते लोगों तक सही सूचना पहुंचे और किसी भी आपात स्थिति में राहत कार्य तुरंत शुरू किए जा सकें। समुद्र में जाने वाले मछुआरों को मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करना चाहिए। समुद्र में पहले से मौजूद नावों को सुरक्षित स्थानों पर लौटने की सलाह दी जानी चाहिए।

ऐसे समय में आम नागरिकों की जागरूकता भी बहुत जरूरी है। तूफान आने से पहले घरों की छत, खिड़कियों और दरवाजों की जांच कर लेनी चाहिए। घर के बाहर रखे गमले, कुर्सियां, टीन और दूसरी हल्की वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर रख देना चाहिए, ताकि तेज हवा में वे किसी के लिए खतरा न बनें। घर के आसपास सूखी और कमजोर शाखाओं वाले पेड़ों पर भी ध्यान देना चाहिए। बिजली की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, पीने का साफ पानी, सूखा भोजन और जरूरी दवाइयां पहले से रखनी चाहिए। मोबाइल फोन चार्ज रखना और परिवार के सभी सदस्यों को आपात स्थिति की जानकारी देना भी समझदारी है।



तूफान के दौरान सबसे जरूरी बात घर के भीतर सुरक्षित रहना है। मौसम विभाग और प्रशासन की चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए। खिड़कियों और कांच के दरवाजों से दूर रहना चाहिए। अनावश्यक रूप से बाहर निकलना या समुद्र के किनारे जाकर ऊंची लहरों को देखना जोखिम भरा हो सकता है। बिजली के उपकरणों को बंद रखना और खुले तारों को हाथ नहीं लगाना चाहिए। यदि प्रशासन किसी क्षेत्र को खाली करने का निर्देश देता है तो उसका पालन करना चाहिए। अफवाहों पर भरोसा करने के बजाय सरकारी सूचनाओं और मौसम विभाग के आधिकारिक संदेशों पर ध्यान देना चाहिए।

तूफान गुजर जाने के बाद भी सावधानी जरूरी है। हवा शांत होते ही घर से बाहर निकलना उचित नहीं है, क्योंकि मौसम में दोबारा बदलाव हो सकता है। रास्तों पर गिरे पेड़, बिजली के खंभे और टूटे तार दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। ऐसे तारों को छूने के बजाय बिजली विभाग को सूचना देनी चाहिए। बारिश के बाद जमा हुए पानी को बिना जांचे पीने से बचना चाहिए और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

आज मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली तकनीक पहले से काफी विकसित हो चुकी है। उपग्रहों और आधुनिक उपकरणों की मदद से तूफानों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाती है। इसके बावजूद प्रकृति की ताकत के सामने पूरी तरह निश्चिंत नहीं हुआ जा सकता। इसलिए समय पर चेतावनी, प्रशासन की तैयारी और नागरिकों का सहयोग ही नुकसान कम करने का सबसे प्रभावी रास्ता है।

बंगाल की खाड़ी में संभावित अकवान तूफान केवल मौसम की एक घटना नहीं, बल्कि हमारी तैयारी और सतर्कता की परीक्षा भी है। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि राहत एवं बचाव दलों को पूरी तरह तैयार रखें तथा जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें। वहीं नागरिकों को भी जिम्मेदारी समझते हुए सावधानी बरतनी चाहिए। प्राकृतिक आपदा को रोका नहीं जा सकता, लेकिन सही समय पर तैयारी करके उसके प्रभाव और नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यही समझदारी और जागरूकता आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार, स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

मौत की जर्जर इमारतें

पिछले कुछ समय से दिल्ली में जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें अनेक निर्दोष लोगों की जान असमय चली जाती है। विडंबना यह है कि इन बड़े हादसों के बाद सत्ताधीशों व राजनेताओं की बयानबाजी ही सामने आती है। फिर अगले हादसे तक खामोशी ओढ़ ली जाती है। बड़े-बड़े दावों के बीच 'ट्रिपल इंजन सरकारें' भी जर्जर भवनों के हादसे रोक पाने में असहाय नजर आ रही हैं। इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बना हुई थी। दुखद ही है कि ऐसी दुर्घटनाओं की सूची दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है। सितंबर में तब काफी बवाल मचा था जब सत्य निकेतन की पांच मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसमें पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। तब क्योंकि छात्र आंदोलन का दौर चल रहा था तो छात्रों के गुस्से के मद्देनजर बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुई और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों के बाद 'वही ढाक के तीन पात' वाली स्थिति सामने आई। बीते अक्तूबर में भी सीमापुरी में जमीन धंसने से चार लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पांच नवंबर को चावड़ी बाजार हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी। दुखद यह है कि दुर्घटनाओं का यह अंतहीन सिलसिला लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि मई और जुलाई में भी सैदुलजाब और रोहिणी में ऐसी घटनाएं देखने को मिली। पिछले हफ्ते पहाड़गंज में एक निर्माण स्थल पर छत ढह गई थी। लेकिन गनीमत रही है कि चमत्कारिक रूप से किसी की जान नहीं गई। बहरहाल, बार-बार होने वाली ये त्रासदियां यह स्पष्ट कर देती हैं कि राजधानी में असुरक्षित इमारतें- अब चाहे वे कॉमर्शियल हों या रिहायशी, पुरानी हों या निर्माणाधीन, अधिकृत हों या अनधिकृत- मौत का जाल बनती जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन हादसों की जवाबदेही तय करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों की अनदेखी, निर्माण के तौर-तरीकों में आपराधिक लापरवाही, सुरक्षा जांच में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते बार-बार लोगों की जान जोखिम में डाला जाना बदस्तूर जारी है। इसमें दो राय नहीं कि यह प्रशासन की विफलता है। विडंबना यह है कि स्थानीय प्रशासन व नगर निकाय घटना के बाद कार्रवाई- मसलन मलबे की जांच करने, चंद अधिकारियों के निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित रह जाता है। वास्तव में होना यह चाहिए कि उन इमारतों को चिन्हित किया जाए, जो खतरनाक साबित हो सकती हैं। ताकि समय रहते कार्रवाई करके लोगों की जान बचायी जा सके।

देवभूमि में देर से मनाई जाती है बूढ़ी दीपावली!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

देवभूमि उत्तराखंड व हिमाचल के पर्वतीय इलाकों को छोड़कर शायद ही किसी ने इगास के बारे में सुना होगा। आजकल के पर्वतीय मूल के बच्चों को भी इगास का पता नहीं है कि इगास नाम का कोई त्यौहार भी होता है, ।

पर्वतीय मूल के लोगो की असली दीपावली इगास ही है, जो दीपोत्सव के ठीक ग्यारह दिन बाद ओर कही कही एक माह बाद मनाई जाती है।दीपोत्सव को इतनी देर से मनाने के दो कारण हैं पहला कारण भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस आने की खबर सूदूर पहाडी निवासीयों को ग्यारह दिन बाद ओर कही कही एक माह बाद मिली, और उन्होंने उस दिन को ही दीपोत्सव के रूप में हर्षोल्लास से मनाने का निश्चय किया, बाद में पहाड़ में भी छोटी दीपावली से लेकर गोवर्धन पूजा व भैयादूज तक सब पर्वी को मनाया जाने लगा, लेकिन अपनी परंपरा के मुताबिक ग्यारह दिन या फिर एक माह बाद की उस दीवाली को पहाड़ के लोगो ने मनाना नहीं छोडा, । पहाडों में दीपावली को लोग दीये जलाते हैं, गौ पूजन करते हैं, अपने ईष्ट कुलदेवी कुलदेवता की पूजा करते हैं। नयी उडद की दाल के पकौड़े बनाते हैं और गहत की दाल के स्वांले (दाल से भरी पुडी) बूढ़ी दीपावली का खास व्यंजन है। दीपावली और इगास की शाम को सूर्यास्त होते ही औजी हर घर के द्वार पर ढोल दमाऊ के साथ बडई (एक तरह की ढोल विधा) बजाते हैं, फिर लोग पूजा शुरू करते हैं, पूजा समाप्ति के बाद सब लोग ढोल दमाऊ के साथ कुलदेवी या देवता के मंदिर जाते हैं वहां पर मंडाण (पहाडी नृत्य) नाचते हैं, चीड़ की राल और बेल से बने भैला (एक तरह की मशाल) खेलते हैं, रात के बारह बजते ही सब घरों से इकट्ठा किया गया सतनाजा (सात प्रकार का अनाज)जिसे गांव की चारो दिशा की सीमाओं पर रखते हैं, इस सीमा को दिशाबंधनी कहा जाता है। ये सतनाजा मां काली को भेंट होता है। इगास मनाने का दूसरा कारण है गढवाल नरेश महिपति शाह के सेनापति वीर माधोसिंह गढवाल तिब्बत युद्ध में गढवाल की सेना का नेतृत्व कर रहे थे, गढवाल सेना युद्ध जीत चुकी थी लेकिन माधोसिंह सेना की एक छोटी टुकडी के साथ मुख्य सेना से अलग होकर भटक गये, सबने उन्हें वीरगति को प्राप्त मान लिया लेकिन वो जब वापस आये तो सबने उनका स्वागत बडे जोरशोर से किया ,ये दिन दीपोत्सव के ग्यारह दिन बाद का दिन था,इसलिए इस दिन को भी दीपोत्सव जैसा मनाया गया। उस युद्ध में माधोसिंह गढवाल - तिब्बत की सीमा तय कर चुके थे जो वर्तमान में भारत- तिब्बत सीमा है ।

पहाडी इगास लुप्त होने वाले त्यौहारों की श्रेणी में है, इसका मुख्य कारण बढता बाजारवाद, क्षेत्रिय लोगों की उदासीनता और पलायन है, ।

इस त्यौहार को बूढ़ दवैली, बूढ़ी दिआऊड़ी, दयाउली भी कहा जाता है। इस पारम्परिक आयोजन से जुड़ी किवदंतियां महाभारत व रामायण युग से सम्बन्धित हैं। पहाड़ी इलाकों में श्रीराम के अयोध्या लौटने की खबर देर से पहुंची और तब तक पूरा देश दीवाली मना चुका था फिर भी पहाड़ी निवासियों ने दीपोत्सव मनाया जिसका नाम पड़ गया बूढ़ी दीवाली पड़ गया। बूढ़ी दिवाली आयोजनों में अभिमन्यु के चक्रव्यूह भेदने के दृश्य को खास अंदाज में मंचित किया जाता है। अखाड़े में लोग रस्सियों का एक घेरा बना उसे थामे रहते हैं। बीच में एक व्यक्ति हाथ में लाठी थामे रहता है। निश्चित समय पर संकेत से रस्सी का घेरा तंग किया जाता है बीच में खड़े अभिमन्यु को जकड़ने की कोशिश की जाती है वह घेरा तोड़ने का प्रयास करता है और सफल होकर दिखाता है। यह क्रिया कई बार दोहराई जाती है। इस चक्रव्यूहिक आयोजन में लोग कई बार जख्मी हो जाते हैं। मगर उल्लास और उमंग के वातावरण में कोई परवाह नहीं करता। इससे पहले अमावस की संध्या को टूटी लकड़ियाँ इक्ठी की जाती हैं व मेला स्थल दशनामी में रात्रि की पूवार्ध में पूजन कर उनमें आग लगा दी जाती है। लोग गाते हुए 'पांडव नृत्य' करते हैं। मध्य रात्रि को पांडव कौरव संघर्ष अभिनीत किया जाता है, कौरव पांडवों पर आक्रमण करते हैं, पांडव डटकर मुकाबला कर जीतते हैं फिर जश्न होता है। पूरी रात विजयोल्लास में परिवर्तित हो जाती हैं। सिरमौर में मूल दीवाली के दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में काम की अधिकता होती है। यहां इन दिनों घासनियों (घास उगाने वाली जगहें) से सर्दी के लिए घास काटकर रखना होता है। मक्की की कटाई, अरबी निकाली जा रही होती है। अदरक निकाल कर बाजार पहुंचाना होता है। ऐसे अस्तव्यस्त समय के बीच दीवाली मनाने की फुरसत नहीं मिलती, इसलिए बाद में बूढ़ी दीवाली मनाई जाती है। बूढ़ी दीवाली के पहले दिन मक्की के सूखे टांडों को जलाया जाता है। ढोल करनाल, दुमालू के लोकसंगीत में गूँथी शिरगुल देव की गाथा गाई जाती है। कार्यक्रम देर रात तक चलता है। अमावस्या के मौके पर दीवाली का मुख्य नृत्य 'बूढ़ा नृत्य' होता है। हुड़क बजाते हैं। शाम को सूखी लकड़ी एकत्र कर जलाई जाती है। अगले दिन पड़वा को देव पूजा होती है। बूढ़ी दीवाली के दिन उड़द भिगोकर फिर उसे पीसकर, नमक मसाले मिलाकर आटे के गोले के बीच भरकर पहले तवे पर रोटी की तरह सेंका जाता है फिर सरसों के तेल में फाई कर देसी घी के साथ खाया जाता है। मूड़ा, मक्की भूनकर व धान को नमक के पानी में कई दिन भिगोकर, छिलका अलग कर भूनकर, कूटकर चिवड़ा बनाकर खाया खिलाया जाता है। इन पहाड़ी खानों का अपना विशिष्ट स्वाद होता है। कई स्थानों पर दीवाली को मंगशराली भी कहते हैं। पुरेटुआ का गीत गाना इस अवसर पर जरूरी समझा जाता है। जिसमें वर्णित है कि त्योहार के मौके पर घर पर ही रहना चाहिए। पुरेटुआ ने अपनी वीरता के अभिमान में ऐसा किया और मारा गया। सिरमौर में कई जगह दिन में सिरमौरी लोक नाट्य सांग और स्वांग का आयोजन भी होता है। उत्सव के दौरान हर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची रहती है। आग जलाकर चारों तरफ बैठकर लोक नृत्य 'नाटी' का रंग जमता है। खलियानों में रखे कृषियंत्रों पर दीपक जलाए जाते हैं। पारम्परिक लोक गीत गाए जाते हैं। इस दीवाली को क्षेत्र में पुरानी या बूढी दीवाली के नाम से जाना जाता है। इस दिन पहाड़ी उत्पाद झंगोरे से तैयार विशेष पकवान मेहमानों को परोसे जाते हैं। इसके बाद दूसरे दिन रात्रि में मुख्य होलियात खेली जाती है, और ग्रामीण लगभग आधी रात तक अपनी लोक संस्कृति पर आधारित लोकगीतों व लोकनृत्यों पर थिरकते हुए पर्व का जश्न मनाते हैं। तीसरे दिन भिरुड़ी का आयोजन होगा। जिसमें अंतिम होलियात खेली जाएगी। चौथे दिन मुख्य भांड़ का आयोजन होता है और पांचवें दिन गावों में पांडव नृत्य के साथ पर्व को विदाई दी जाएगी। पर्व को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह बना हुआ है। दूरदराज के इलाकाकों में नौकरी कर रहे लोगों ने भी पर्व को लेकर घरों को आना शुरू कर दिया है। उत्तराखंड सरकार ने इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया हुआ है।



आहार का असर

आदमी बीमार हो गया। रक्त चढ़ाने की जरूरत हुई। डॉक्टर रक्त चढ़ाता है, तो पहले वह ग्रुप मिलाता है। किस ग्रुप का रक्त है? ठीक मिलेगा या नहीं? सेठ को रक्त चढ़ाना था- एक कंजूस आदमी का रक्त ठीक मिला, चढ़ाया गया।

सेठ को पता चला कि उसको कंजूस का रक्त चढ़ाया जा रहा है। सेठ बड़ा उदार था। अपने मुनीम को कहा, उसको तीन हजार रूपए दे दो। भाग्य की बात, दूसरी बार फिर खून चढ़ाने की जरूरत हुई। उसी कंजूस का रक्त। सेठ ने कहा, उसे सौ रूपए दे दो। तीसरी बार जरूरत हुई तो सेठ ने एक कागज लिया और उस पर लिखा साधुवाद, धन्यवाद!

ऐसा क्यों हुआ? सेठ तो उदार था, किन्तु जिसका रक्त चढ़ाया जा रहा था, वह कंजूस था। उसका इतना प्रभाव हुआ कि जब तक रक्त का पूरा प्रभाव नहीं हुआ तो तीन हजार रूपए दिए, थोड़ा प्रभाव हुआ तो सौ रूपए और पूरा प्रभाव हुआ तो धन्यवाद दिया।

कहने का अर्थ यह कि चाहे रक्त हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु हो, हमारे शरीर में बाहर के जो परमाणु प्रवेश पाते हैं, वे परमाणु जिस प्रकार के होते हैं, अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहते। इसलिए यह विषय हमारे लिए इतना महत्व का है कि बाहर से क्या आ रहा है, हम पूरा विवेक करें, पूरी छानबीन करें, तब ही किसी बात को स्वीकार करें। हम इस बात को अस्वीकार नहीं करेंगे कि भोजन के परमाणुओं में अनेक तत्व विद्यमान होते हैं, अनेक संस्कार मिले होते हैं। उन संस्कारों का असर हमारे जीवन के दैनिक क्रियाकलापों पर पड़ता है। इससे हम अछूते नहीं रह सकते।

विचार मंथन

सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

(लेखक- सनत जैन)

बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी में जाहिर की चिंता

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दो दिवसीय अमेरिका दौरा भारतीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण बन गया है। न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के बीच संवाद करते हुए राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा, भारत आर्थिक तबाही के कगार पर खड़ा है। देश में बेरोजगारी की बड़ी समस्या है। शिक्षा व्यवस्था भी गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है। उनका कहना था, इन समस्याओं को नजरअंदाज करने से उनका समाधान नहीं होगा। राहुल गांधी के इस बयान को केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करना उचित नहीं होगा। यह जरूर है कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को तबाही के कगार पर बताना एक बड़ा राजनीतिक दावा है, इसके पीछे उठाए गए बेरोजगारी, रोजगार सृजन और शिक्षा की गुणवत्ता जैसे सवालों पर गंभीर चर्चा भारत में जरूरी है। सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप अपनी जगह हैं। देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य किसी भी राजनीतिक दल के लिए बड़ा विषय है। भारत में आज उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या करोड़ों में है। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्रियां लेकर निकलने वाले युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। शिक्षा पूरी करने के बाद भी यदि उन्हें अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी नहीं मिलती, ऐसी स्थिति में उनके भीतर निराशा पैदा होना स्वाभाविक है। राहुल गांधी ने इसी वर्ग का उल्लेख करते हुए कहा, मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के अनेक युवा औपचारिक शिक्षा पूरी करने के बावजूद अपना भविष्य सुरक्षित नहीं देख पा रहे हैं। भारत में जिस तरह के समाचार मिल रहे हैं उसमें पढ़े-लिखे डिग्री धारी युवा अब अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने लगे हैं। यह सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उनके अनुसार, नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच वैचारिक दूरी भी बढ़ रही है। माता-पिता जिस शिक्षा और करियर के रास्ते को सफलता का माध्यम मानते रहे हैं। आज की पीढ़ी को उसमें पहले जैसी संभावनाएं दिखाई नहीं दे रही हैं। युवा अपने सपनों के अनुरूप सफलता चाहते हैं। अवसरों की कमी उनके भीतर असंतोष पैदा कर रही है। वैचारिक मतभेद में अर्थ-व्यवस्था का आधार मजबूत करना जरूरी हो गया है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में छोटे और मध्यम उद्योगों तथा कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। उनका तर्क है, केवल सेवा क्षेत्र के सहारे देश की विशाल युवा आबादी को रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। इसके लिए विनिर्माण क्षेत्र यानी मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करना होगा। उन्होंने मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं की सफलता पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक छोटे उद्योगों में रोजगार पैदा करने की क्षमता है, उन्हें पर्याप्त अवसर और निवेश नहीं मिल रहे हैं। भारत के सामने वास्तविक चुनौती यह है, आर्थिक विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। बड़े उद्योगों और कंपनियों का विस्तार अपनी जगह महत्वपूर्ण है। भारत में कुछ लोग अमीर हो रहे हैं, मध्य और निम्न वर्ग आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। जब तक छोटे कारोबार, कृषि, लघु-उद्योग और स्थानीय उत्पादन को मजबूती नहीं मिलेगी, तब तक व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करना तथा आर्थिक संतुलन बनाना कठिन होगा। चुनावी व्यवस्था और एसआईआर पर अमेरिका में राहुल गांधी से चुनाव आयोग और एसआईआर पर होने वाले खर्च को लेकर भी सवाल पूछे गए। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया पर खर्च और उसकी पारदर्शिता के संबंध में चुनाव आयोग को जवाब देना चाहिए। राहुल गांधी लगातार चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ियों का आरोप लगा रहे हैं, उनका कहना है, निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद है। चुनावी व्यवस्था में विश्वास कायम रखना जरूरी है। चुनावी धांधली से जुड़े उनके आरोपों और चुनाव आयोग के पक्ष का स्वतंत्र तथ्यों के आधार पर परीक्षण किए जाने पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने कहा आज भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में युवा पीढ़ी रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा और महंगाई जैसी समस्याओं से जूझ रही है। अमेरिका और यूरोप में भी युवाओं के बीच रोजगार और भविष्य की सुरक्षा को लेकर चिंताएं सामने आ रही हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तकनीकी बदलाव, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोजगार के बदलते स्वरूप ने नई चुनौतियां पैदा की हैं। ऐसे समय में युवाओं की आकांक्षाओं को समझना और उनके लिए अवसर तैयार करना प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी है। राहुल गांधी के अमेरिका दौरे को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी स्वाभाविक है। भाजपा ने उनके विदेश में दिए गए बयानों पर आपत्ति जताई है। जबकि कांग्रेस इसे देश की समस्याओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उठाने का माध्यम मानती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल को भारत से 350 मेगावाट बिजली आयात करने की मंजूरी मिली

जलविद्युत उत्पादन में कमी के कारण निर्णय लिया

काठमांडू ।

नेपाल को आगामी शीतकाल में घरेलू बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत से 350 मेगावाट तक बिजली आयात करने की मंजूरी मिल गई है। जलविद्युत उत्पादन में कमी और हाल की बाढ़ से कई परियोजनाओं को हुए नुकसान के कारण यह निर्णय लिया गया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अधिकारियों के अनुसार भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने एनईए को भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) से प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली खरीदने की अनुमति दी है। यह मंजूरी 17 नवंबर, 2026 से 31 जुलाई, 2027 तक वैध है, जिससे नेपाल को भविष्य में भी मौसमी अंतर को पाटने में मदद मिलेगी। नेपाल की बिजली आपूर्ति मुख्य रूप से नदी के प्रवाह पर निर्भर जलविद्युत परियोजनाओं पर आधारित है। सर्दियों में जलस्तर घटने से उत्पादन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त, अगस्त में रसुवा-भोटेकोशी क्षेत्र में आई बाढ़ से 431 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाएं अभी भी राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ नहीं पाई हैं, जिससे संकट और गहरा गया है। हालांकि, अप्रैल के मध्य से नदियों का जलस्तर बढ़ने पर घरेलू उत्पादन में सुधार की उम्मीद है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी और नेपाल फिर से बिजली निर्यात शुरू कर सकेगा।

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे खुदरा बाजारों में 24वें स्थान पर

न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू दुनिया में सबसे महंगा, सालाना किराया 2700 डॉलर प्रति वर्ग फुट

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का प्रतिष्ठित खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों की सूची में 24वें स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए है।

यह भारत का सबसे महंगा खुदरा बाजार भी है, जहां सालाना किराया 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट पहुंच गया है। कुशमैन एंड वेकफील्ड की मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,700 डॉलर प्रति वर्ग फुट सालाना किराये के साथ दुनिया का सबसे महंगा खुदरा बाजार बन गया है। लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट (2,230 डॉलर) दूसरे और मिलान का विया मोंटेनापोलियोने (2,160 डॉलर) तीसरे स्थान पर रहे। दिल्ली के खान मार्केट में मजबूत मांग के कारण सालाना किराया 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट (लगभग 1,875 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह) हो गया है। सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे बाजारों में किराये बढ़े, जबकि वैश्विक स्तर पर किराये की औसत वृद्धि 3 फीसदी रही। भारतीय खुदरा बाजार मजबूत खपत, खुदरा विक्रेताओं के विस्तार और प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण मजबूत बना हुआ है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

एनवीडिया ने सीईओ पद पर हुआंग की वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली ।

चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एनवीडिया ने अपने पूर्व सह-संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को कंपनी के शीर्ष पद पर बहाल करने की किसी भी योजना से स्पष्ट इनकार कर दिया है। चेयरमैन हार्वे जोन्स ने बुधवार को कहा कि हुआंग ने कंपनी की आचार संहिता के मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले निजी व्यवहार के खुलासे के बाद स्वेच्छा से इस्तीफा दिया था। यह घोषणा हुआंग के उस बयान के कुछ ही घंटे बाद आई है, जिसमें उन्होंने वापसी की इच्छा जताई थी। न्स ने पुष्टि की कि निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से हुआंग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था और अब उन्हें सीईओ के रूप में बहाल करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने बताया कि इस्तीफे की घोषणा के समय भले ही कारण नहीं बताया गया था, लेकिन हुआंग ने निजी व्यवहार के खुलासे के बाद ही पद छोड़ा था। फिलहाल, कंपनी की मुख्य वित्त अधिकारी कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ के रूप में कार्यरत हैं, और बोर्ड ने स्थायी सीईओ की तलाश के लिए हेड्रिक एंड स्ट्रगल्स को नियुक्त किया है। निदेशक मंडल ने क्रेस के नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया है और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा निर्यात नियंत्रण निगरानी समिति भी गठित की है। इससे पहले, हुआंग ने सोशल मीडिया पर स्वीकार किया था कि उन्होंने निजी जीवन में गंभीर गलतियां की थीं, लेकिन वापसी की इच्छा भी जताई थी। इस बीच, एनवीडिया का शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 65.3 अरब डॉलर हो गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 500, निफ्टी 159 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 500.38 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,031.81 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 159.45 अंक फिसलकर 25,227.95 अंकों पर बंद हुआ। आज एसबीआई, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार बंद किया जबकि टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल, इंडिगो, इन्फोसिस, टाटा स्टील के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ लाभ पर बंद हुए और बाकी की सभी 22 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 15 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.26 फीसदी उछले जबकि टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.82 फीसदी गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी , अल्ट्राटेक सीमेंट , पावरग्रिड , मारुति सुजुकी , ट्रेंट , सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल सहित इन शेयरों में गिरावट आई है। टीसीएस , बजाज फाइनेंस , एटरनल 2, इंडिगो , इन्फोसिस , टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा , एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।



इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की गिरावट के साथ 82,443.35 के स्तर पर वहीं निफ्टी भी 33.50 अंक गिरकर 25,353.90 पर आ गया है। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरे, जबकि एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिलाजुला कारोबार दिखा।

रुपया 24 पैसे चढ़कर 93.27 प्रति डॉलर पर

रुपया मंगलवार को 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 24 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.27 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के भारी प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में मजबूती मुख्य रूप से रातोंरात अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट से आई है। इससे भारत की आयात लागत और महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 93.47 पर खुला और बढ़त हासिल करते हुए 93.27 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 24 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को 43 पैसे मजबूत होकर सात महीने के उच्च स्तर 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 103.60 पर रहा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत तेज

- औपचारिक समझौते के बजाय अहम नीतिगत मुद्दों पर जोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) का एक उच्च-स्तरीय दल इन दिनों दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ गहन चर्चा कर रहा है। इन बैठकों का मुख्य एजेंडा बौद्धिक संपदा (आईपी), नियामकीय डेटा संरक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वित्तीय सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना है। अमेरिकी दूतावास ने इन चर्चाओं की पुष्टि करते हुए इसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास बताया। यूएसटीआर के सहायक व्यापार प्रतिनिधि डैनियल ली सहित वरिष्ठ अधिकारियों का दल वाणिज्य, वित्त, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा औषध विभागों के प्रमुख भारतीय अधिकारियों से मिल रहा है। हालांकि, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये बातचीत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की औपचारिक वार्ता का हिस्सा नहीं हैं। फिलहाल दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिसमें वस्तुओं के व्यापार, गैर-शुल्क बाधाओं और आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। अमेरिका का मानना है कि बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर भारत को गैर-शुल्क बाधाओं को समझौते के बिना भी दूर करना चाहिए।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया नया इक्विटी फंड

- बाजार जोखिम से बचाव पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी (कोटक म्यूचुअल फंड) ने अपने स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) प्लेटफॉर्म के तहत इन्फिनिटी इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी निवेश रणनीति है, जिसका मुख्य उद्देश्य शेयरों के सावधानीपूर्वक चयन के माध्यम से लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाना और डेरिवेटिव्स का उपयोग करके बाजार के जोखिमों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) की अवधि 17 नवंबर से शुरू होकर 1 दिसंबर तक रहेगी। इस फंड में न्यूनतम 10 लाख रुपये का निवेश करना होगा, जो एएमसी की सभी एसआईएफ योजनाओं में पैन स्तर पर लागू होगा। निवेशकों को रोजाना निवेश और निकासी की सुविधा मिलेगी। फंड का बेंचमार्क निफ्टी 100 टीआरआई है, और कल्पेश जैन, रोहित टंडन तथा अभिषेक बिसेन इसके फंड मैनेजर होंगे। यह कोटक म्यूचुअल फंड की दूसरी एसआईएफ रणनीति है, इससे पहले कंपनी ने इन्फिनिटी हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया था। फंड की निवेश रणनीति मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित होगी, जिसमें कारोबार, विकास की संभावनाओं और उचित वैल्यूएशन के आधार पर शेयरों का चयन होगा। जोखिम को कम करने और निवेश के स्तर को समायोजित करने के लिए डेरिवेटिव्स का सक्रिय उपयोग किया जाएगा। इसमें कवर्ड कॉल और पुट ऑप्शन जैसी रणनीतियों से बाजार के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जाएगा। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी नीलेश शाह ने कहा कि इक्विटी निवेश में अवसरों के साथ-साथ बाजार में गिरावट के दौरान जोखिम संभालना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन आईपीओ खुला,कृषि क्षेत्र में निवेश का अवसर

- कंपनी का लक्ष्य 455 करोड़ जुटाना, 20 नवंबर तक आवेदन का मौका

नई दिल्ली ।

प्राथमिक बाजार में निवेश के इच्छुक निवेशकों के लिए बुधवार, 18 नवंबर को कृषि-रसायन कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल गया है। खेती से जुड़े रसायन, फसल सुरक्षा उत्पाद और बीज बनाने वाली यह भारतीय कंपनी इस आईपीओ के जरिए कुल 455.49 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के आईपीओ का प्राइस बैंड 259 से 272 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, और यह 20 नवंबर तक खुला रहेगा। निवेशकों को कम से कम 55 शेयरों के एक लॉट के लिए आवेदन करना होगा। इस इश्यू में 354.77 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि मौजूदा शेयरधारक बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिए 100.71 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 23 नवंबर को होने की उम्मीद है, और कंपनी के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर 26 नवंबर को लिस्टिंग संभव है। बाजार विश्लेषकों ने इस आईपीओ पर मिली-जुली राय दी है। कुछ ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी के विविध कारोबारी क्षेत्रों में मौजूदगी और अनुसंधान व विकास पर जोर को देखते हुए लंबी अवधि के लिए निवेश की सलाह दी है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वैल्यूएशन बहुत सस्ता नहीं है। आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का कुल मार्केट कैप लगभग 4,437.9 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। वहीं, कुछ अन्य फर्मों ने कंपनी की कमाई पर मॉनसून और कृषि उत्पादों की मांग की निर्भरता जैसे जोखिमों के कारण आईपीओ पर न्यूट्रल रेटिंग दी है, हालांकि कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन मजबूत रहा है।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी को अर्थशॉट पुरस्कार

कंपनी ने अब तक लाखों टन सीओ2 उत्सर्जन रोका

नई दिल्ली ।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी (एमएलएमएम) को इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से प्रदूषण कम करने और छोटे कारोबारियों व चालकों को सशक्त बनाने के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित 'अर्थशॉट पुरस्कार 2026' के 'स्वच्छ हवा' श्रेणी का विजेता घोषित किया गया है।

यह वैश्विक सम्मान कंपनी की पर्यावरण-अनुकूल पहल और सामाजिक समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी 10 लाख पाउंड (लगभग 11 लाख अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि का उपयोग समावेशी इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए करेगी। इसमें महिला चालकों को प्रशिक्षण देना, उन्हें किफायती वित्तपोषण उपलब्ध कराना, कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में चार्जिंग ढांचे का विस्तार करना और इलेक्ट्रिक रिक्शा को व्यापक समुदायों तक पहुंचाना शामिल है। एमएलएमएम ने अब तक चार लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं, जिससे 1.85 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोकने में मदद मिली है।

भारत को कोकिंग कोयले की चिंता नही नवीन जिंदल

यूरोप 2035 के बाद ब्लास्ट फर्नेस से हटेगा, भारत में जारी निर्माण से होगी उपलब्धता सुनिश्चित

नई दिल्ली ।

भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका जैसे प्रमुख इस्पात उत्पादक देश 2035 तक ब्लास्ट फर्नेस से दूर हो रहे हैं, ऐसे में भारत में जारी इन फर्नेस के निर्माण से भविष्य में कोकिंग कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

यह एक महत्वपूर्ण राहत होगी, क्योंकि भारत अपनी कोकिंग कोयले की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है। नवीन जिंदल ने आईएसए कमिंग कोल समिट में बताया कि जहां वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप में ब्लास्ट फर्नेस बंद किए जा रहे हैं, वहीं भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अब भी बड़े ब्लास्ट फर्नेस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के पास भी बड़ी क्षमता है, लेकिन वह इसे धीरे-धीरे कम कर रहा है। यह वैश्विक बदलाव भारत के लिए शुभ संकेत है, क्योंकि कोकिंग कोयला लोहा और इस्पात उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। यह घरेलू इस्पात कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। जिंदल के अनुसार, यूरोप 2035 के बाद पूरी तरह से ब्लास्ट फर्नेस तकनीक से हट जाएगा और अमेरिका भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एनवीडिया ने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए, कुल राजस्व सालाना 100 अरब डॉलर के पार

वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए कंपनी 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया

नई दिल्ली।

एनवीडिया ने हाल ही में जारी वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही के नतीजों में कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिसमें कंपनी का राजस्व पहली बार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। कंपनी का कुल राजस्व सालाना आधार पर 103 फीसदी बढ़कर 115.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह कम था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब कंपनी के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग के इस्तीफे और उनके संभावित वापसी पर अटकलें लगाई जा रही थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व में अनिश्चितता के बावजूद, कंपनी के कारोबार पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा है। तीसरी तिमाही में एनवीडिया का मुनाफा भी बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा, जिसमें प्रति शेयर आय 2.68 डॉलर रही, जो जानकारों के 2.47 डॉलर के अनुमान से ज्यादा थी। कंपनी के डेटा सेंटर व्यवसाय ने इस शानदार वृद्धि में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बिक्री दोगुने से ज्यादा बढ़कर 107.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। एआई मॉडल को प्रशिक्षण देने और चलाने के लिए जरुरी चिप्स की बढ़ती मांग इस सेगमेंट की बिक्री में भारी उछाल का प्रमुख कारण है।

कंपनी ने आगामी वित्त वर्ष के लिए भी मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें राजस्व में 75फीसदी तक की बढ़ोतरी की संभावना है, जो पहले लगाए गए 70फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए, एनवीडिया ने करीब 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया है। कंपनी की अंतरिम सीईओ और सीएफओ कोलेट क्रेस ने पुष्टि की है कि कंपनी का कारोबार सामान्य तरीके से चल रहा है और उसे अपने ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापारिक भागीदारों का लगातार समर्थन मिल रहा है।

मोतीलाल ओसवाल के पांच पसंदीदा शेयर, 27 फीसदी उछाल का अनुमान

- ब्रोकरेज फर्म को दमदार फंडामेंटल वाले शेयरों में दिख रहा दम

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में वापसी ने उत्साह भर दिया है, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स एक महीने में करीब 10 फीसदी ऊपर चढ़ गए हैं। इस तेजी के माहौल के बीच, घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने निवेशकों को दमदार फंडामेंटल वाले पांच शेयरों पर खरीदारी की सलाह दी है।

ब्रोकरेज फर्म को इन शेयरों में सालभर में 27 फीसदी तक की तेजी का अनुमान है, जिससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा कमाने का अवसर मिल सकता है।

मोतीलाल ओसवाल की सूची में स्पेशियलिटी केमिकल सेक्टर की आरती इंडस्ट्रीज शामिल है, जिसके लिए 600 रुपए का लक्ष्य रखा गया है, जो इसके 470.85 रुपए के बंद भाव से काफी अधिक है। दूसरा नाम संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल है, जिसके शेयरों पर 200 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 164 रुपए पर बंद हुआ था।

ब्रोकरेज फर्म नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों पर भी बुलिश है, जिसके लिए 2300 रुपए का लक्ष्य है, जबकि यह 2061.85 रुपए पर बंद हुआ था। मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में एनबीएफसी सेक्टर से बजाज फाइनेंस को भी चुना गया है, जिसका टारगेट 1250 रुपए है (मौजूदा भाव 1120.35 रुपए)। पांच शेयरों की इस सूची में अंतिम नाम टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल का है, जिसके लिए 2395 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 2140 रुपए पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार, इन कंपनियों का मजबूत प्रदर्शन और सकारात्मक आउटलुक निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर सकता है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने लॉन्च किया अदाणी रिवॉर्ड्स

- मुंबई, जयपुर सहित आठ एयरपोर्ट्स पर सुविधा उपलब्ध

जयपुर ।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अदाणी रिवॉर्ड्स नामक एक नया और उन्नत सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया है। मुंबई, नवी मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम सहित कंपनी द्वारा संचालित आठ हवाई अड्डों पर यह सुविधा उपलब्ध होगी, जिसके तहत सदस्य सालाना 65,000 रुपये तक के आकर्षक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह नया कार्यक्रम अदाणी वन ऐप के साथ एकीकृत है और सदस्यता की श्रेणी के आधार पर कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान करता है। इनमें खरीदारी और खानपान पर विशेष छूट, एयरपोर्ट लाउंज में निःशुल्क प्रवेश, सुरक्षा जांच के लिए प्राथमिकता, सुविधाजनक पार्किंग विकल्प और यात्रियों को उनकी आवश्यकतानुसार विशेष हवाई अड्डा सहायता शामिल हैं। एएएचएल के एक अधिकारी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पिछले अदाणी रिवॉर्ड्स 1.0 कार्यक्रम को मिली शानदार प्रतिक्रिया (70 लाख सदस्यों) ने यह दर्शाया कि यात्रियों की रुचि अब केवल हवाई यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हवाई अड्डों पर मिलने वाली सेवाओं से भी गहरा जुड़ाव चाहते हैं। उन्होंने बताया कि यह उन्नत कार्यक्रम यात्रा, खुदरा खरीदारी, खानपान और आतिथ्य सेवाओं से जुड़े सभी लाभों को एक ही मंच पर एकीकृत करता है, जिससे यात्रियों को एक सहज और समृद्ध अनुभव मिल सके। यह कार्यक्रम हवाई अड्डे को सिर्फ एक ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि एक जीवनशैली गंतव्य के रूप में स्थापित करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

सीए 'सैंडपेपरगेट कांड' एक फोरम बनाएगा

होबार्ट । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने



वाली बन गई है। हमारा मानना ??है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है।' डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे।'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है।

स्मैट 2026: बंगाल ने झारखंड को 7 विकेट से हराया आंध्र-छत्तीसगढ़ और बिहार ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली । सैयद मुश्ताक अली (स्मैट) एलीट 2026 में बुधवार को बंगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 7 विकेट से हराया। वहीं, बिहार, आंध्र और छत्तसीगढ़ ने भी जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा : ग्रुप डी के मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोबोर्ड पर 228 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान विकल्प तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की दमदार पारी खेली। 229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सर्वाधिक 57 रन कार्तिक बिस्वाल ने बनाए। आंध्र बनाम केरल : आंध्र ने ग्रुप सी के मुकाबले में केरल को 29 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आंध्र ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाए। टीम की तरफ से सीरम वेंकट राहुल ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि शेख रशीद ने 39 गेंदों में 60 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में केरल की टीम 5 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी।



पहला टेस्ट आज से



'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।

ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।



गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।

उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स । निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार

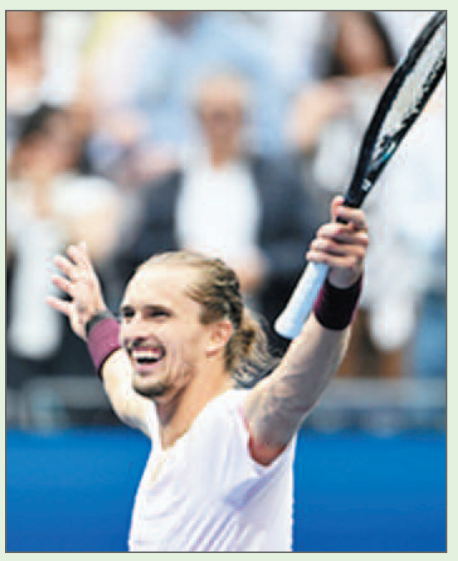


फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।

दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलिआनो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

टयूरिन । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

फुटबॉल: भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप



नई दिल्ली । भारत ने मंगलवार को कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार-बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के पास नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया।

फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस-पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।



इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



कहीं आपके बच्चे को दिल की बीमारी तो नहीं? पसीने से करें पहचान

क्या आप जानते हैं कि शिशुओं को असल में ज़्यादा पसीना नहीं आता? वयस्कों के विपरीत, उनके छोटे शरीर तापमान को अलग तरह से नियंत्रित करते हैं क्योंकि उनकी पसीने की ग्रंथियां अभी भी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए, अगर आपके शिशु को बार-बार या बहुत ज़्यादा पसीना आता है, तो यह कभी-कभी दिल की बीमारीका संकेत भी हो सकता है।

बच्चे ज़्यादा पसीना क्यों नहीं आता?

डॉक्टरों के अनुसार, नवजात और छोटे बच्चों के शरीर में पसीना ग्रंथियां पूरी तरह विकसित नहीं होतीं। इसलिए वे वयस्कों की तरह बहुत पसीना नहीं बहाते। उनके शरीर का तापमान नियंत्रण सिस्टम अभी छोटा और संवेदनशील होता है। इस वजह से वे सामान्य तौर पर बहुत कम या बिलकुल नहीं पसीना बहाते।

किन बच्चों को आता है ज्यादा पसीना

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपका बच्चा दूध पीते समय, सोते हुए, या जरा-सा हिलते-डुलते ही बहुत ज़्यादा पसीना बहा रहा है तो यह दिल की किसी समस्या का संकेत हो सकता है। जिस बच्चे के दिल में कोई जन्मजात दोष होता है, तो दिल को शरीर में खून पंप करने के लिए बहुत ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस अतिरिक्त मेहनत से शरीर की ऊर्जा जल्दी खर्च होती है, बच्चा जल्दी थक जाता है और शरीर तापमान को कम करने के लिए ज़्यादा पसीना बहाने लगता है।

ऐसे लक्षणों पर ध्यान दें:

- बच्चे को दूध पीते समय बहुत पसीना आता है।
- जल्दी थक जाता है या दूध अधूरा छोड़ देता है।
- तेज़ सांस लेता है या साँस फूलती है
- वजन नहीं बढ़ रहाया बहुत कमजोर लग रहा है
- त्वचा या होंठ नीले पड़ने लगते हैं

इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

बच्चे को ठंडी जगह पर रखें, बहुत गर्म कपड़े न पहनाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या घरेलू नुस्खा न दें। अगर डॉक्टर सुझाएं तो इकोकार्डियोग्राम या ईसीजी जांच करवाएं। ध्यान रखें कि हर बच्चे को थोड़ा-बहुत पसीना आना सामान्य है, लेकिन अगर पसीना बहुत ज़्यादा है तो शरीर किसी अंदरूनी परेशानी का इशारा कर रहा है।'

बच्चों को नहीं लगेगा चश्मा, पेरेंट्स जरुर खिलाएं ये फूड्स



ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। एक्सपर्ट्स की मानें तो आजकल काफी उम्र से ही बच्चे लंबे समय तक टीवी, मोबाइल आदि देखने लगते हैं और पोषण की कमी के कारण बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जो बच्चों की आंखों को मजबूत बनाएंगे। आइए जानते हैं....

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

सेलेनियम

यह एक ऐसा एंटीऑक्सीडेंट है जो यीस्ट और सीफूड में मौजूद होता है। आप इसका सेवन बच्चों को करवाने के लिए उन्हें सप्लीमेंट के तौर पर दे सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें।

जिंक

जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

जंगल सफारी का नया ठिकाना

राजस्थान के जवाई में देखें तेंदुए और

जंगल सफारी के शौकीनों के लिए राजस्थान का जवाई नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है, जहाँ आप तेंदुए, मगरमच्छ और अन्य जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। पाली जिले में स्थित यह तेंदुआ संरक्षण रिजर्व अपनी अद्वितीय विशेषता के लिए जाना जाता है, जहाँ ग्रामीण और तेंदुए साथ रहते हैं। यह ट्रिप आपको एडवेंचर और रोमांच से भरपूर एक यादगार अनुभव देगी।



जंगल सफारी करने का एक अलग ही आनंद होता है। अगर आपको भी जंगली जानवर देखने का शौक हैं, लेकिन जब नेशनल पार्क में जाते हैं तो सिर्फ हिरन और बंदर को देखकर आ जाते हैं। हालांकि, शेर, चीता और बाघ न मिले तो मजा नहीं आता है। हर किसी का बजट साउथ अफ्रीका और केन्या जाने का तो होता नहीं। जहां पर मसाई मारा जैसे नेशनल पार्क में जा पाएं और जंगली जानवर देख पाएं। लेकिन आपको ज्यादा दूर जाने की जरुरत नहीं है। आप राजस्थान के जवाई नेशनल पार्क में, जहां पर तेंदुआ, मगरमच्छ जैसे जंगली जीव खुले घूमते दिख जाएंगे और आपको यहां पर सैर करके काफी सुंदर नजारे दिखेंगे।

जवाई नेशनल पार्कट

जवाई नेशनल पार्क राजस्थान के पाली जिले में मौजूद है। यह एक तेंदुआ सरंक्षण रिजर्व सेंटर है। इस पार्क में आपको तेंदुआ की काफी आबादी देखने को मिल जाएगी। यहां पर जवाई बांध भी है। बता दें कि, 60 किलोमीटर एरिया में फैले इस नेशनल पार्क में 16 गांव बसे हैं। जहां पर तेंदुआ और ग्रामीण लोग साथ में रहते है। तेंदुआ और दूसरे जंगली जानवरों को देखने आप यहां जरुर जाएं। ट्रिप आपकी रोमांच से भर जाएगी। यहां पर तेंदुआ की अलग-अलग प्रजाति के अलावा जंगली बिल्ली, भेड़िया, सियार और धारीदार लकड़बग्घे भी रहते हैं। आपको 100 से ज्यादा वैराइटी के प्रवासी और लोकल पक्षी भी देखने को मिल जाएंगे। ग्रेनाइट की पहाड़ियों के लिए सुंदर नजारों के बीच वाइल्ड लाइफ का करीब से दीदार होगा।

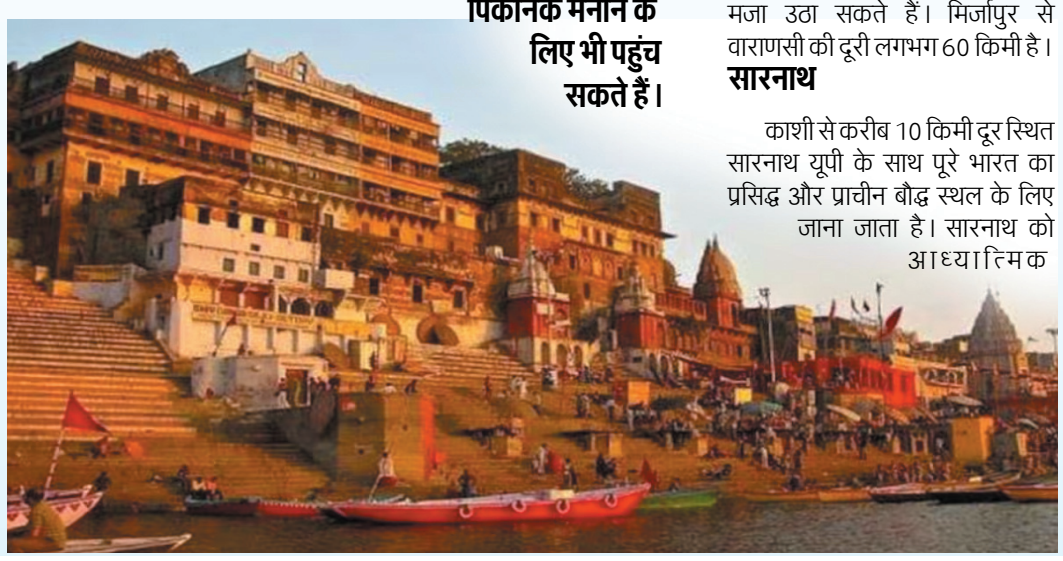
कैसे पहुंचे

जवाई जाने के लिए बाय रोड भी जा सकते हैं। उदयपुर या जयपुर एयरपोर्ट से यहां प्राइवेट साधन के जरिए जा सकते हैं। नजदीकी एयरपोर्ट उदयपुर है जो करीब 150 किमी दूर है। इसके अलावा, सिर्फ 4 किमी की दूरी पर मोरी बेरा रेलवे स्टेन है। जो जयपुर, दिल्ली, मुंबई से जुड़ा हुआ है। सर्दियों के मौसम में यहां पर जाना अच्छा माना जाता है।



मिर्जापुर से बनाएं यादगार वन-डे ट्रिप

मिर्जापुर का नाम सुनते ही अधिकतर लोगों के जहन में सबसे पहले मिर्जापुर वेब सीरीज का ही ध्यान आता है। हालांकि इस वेब सीरीज से अलग हटकर मिर्जापुर का जिक्र किया जाता है, तो यह शहर हाथों द्वारा निर्मित कालीन और दरियों का सबसे बड़ा उत्पादन भी करता है। उत्तर प्रदेश में स्थित मिर्जापुर एक ऐसा शहर है, जोकि पहाड़ियों से घिरा है। वहीं इस शहर में बहुत कम ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग घूमने के लिए जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मिर्जापुर के आसपास स्थित कुछ ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं आप इन जगहों पर वीकेंड पर पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंच सकते हैं।



वाराणसी

जब भी मिर्जापुर के आसपास में किसी शानदार और चर्चित जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई लोग सबसे पहले वाराणसी का नाम लेते हैं। यह यूपी का एक चर्चित धार्मिक स्थल है।

गंगा नदी के तट पर स्थित वाराणसी में आप काशी विश्वनाथ मंदिर, मणिकर्णिका घाट, अस्सी घाट, दशाश्वमेध यज्ञ और भारत माता मंदिर जैसे कई विश्व प्रसिद्ध धार्मिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए वाराणसी में दूर-दूर से पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। आप यहां पर बोटिंग का भी मजा उठा सकते हैं। मिर्जापुर से वाराणसी की दूरी लगभग 60 किमी है।

सारनाथ

काशी से करीब 10 किमी दूर स्थित सारनाथ यूपी के साथ पूरे भारत का प्रसिद्ध और प्राचीन बौद्ध स्थल के लिए जाना जाता है। सारनाथ को आध्यात्मिक स्थानों में से एक माना जाता है।

सारनाथ में आप धमेख स्तूप से लेकर चौखंडी स्तूप, अशोक स्तंभ और थाई मंदिरों जैसे बौद्ध स्थलों को देख सकते हैं। वहीं सारनाथ में स्थित मूलगंध कुटी विहार और हिरण उद्यान को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से सारनाथ की दूरी लगभग 75 किमी है।

प्रयागराज

प्रयागराज यूपी का एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख शहर है। इस शहर को कई लोग इलाहाबाद के नाम से भी जानते हैं। यह हिंदुओं के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। क्योंकि प्रयागराज एक ऐसा शहर है, जो गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित है। प्रयागराज महाकुंभ मेले के लिए भी जाना जाता है।

यहां पर कई ऐतिहासिक और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप प्रयागराज फोर्ट, खुसरो बाग, त्रिवेणी संगम और चन्द्रशेखर आजाद पार्क को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से प्रयागराज की दूरी 88 किमी है।

नौगढ़ डैम

यूपी के चंदौली जिले में स्थित नौगढ़ डैम राज्य का खूबसूरत डैम है। यह डैम चंद्रप्रभा वन्यजीव अभ्यारण में स्थित है, इस डैम का निर्माण 1956 में किया गया था। नौगढ़ डैम का पानी सिंचाई के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसको पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। नौगढ़ डैम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ आसपास के वन्यजीवों के लिए भी फेमस है। कई लोग वीकेंड में नौगढ़ डैम के किनारे पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते रहते हैं। मानसून में नौगढ़ डैम की खूबसूरती देखने लायक होती है। मिर्जापुर से नौगढ़ डैम की दूरी लगभग 113 किमी दूर है।



Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27-28 को हरियाणा के सूरजकुंड में

नई दिल्ली , एजेंसी। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27 और 28 नवंबर को हरियाणा के सूरजकुंड में होगी इसमें पार्टी के नेता जुटेंगे। दो दिन तक चलने वाली इस बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा लेंगे। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संगठन से जुड़े अहम मामलों पर विचार-विमर्श का एक प्रमुख मंच होती है। इससे पहले बीजेपी ने यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मथुरा में दो दिवसीय योजना बैठक की थी। यह बैठक 16 और 17 नवंबर को परखम गांव में हुई थी। इसमें सीएम योगी, दोनो डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक समेत पार्टी के 54 वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया था। बैठक के दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मथुरा की बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई थी। युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने, अब तक बीजेपी से दूर रहे सामाजिक वर्गों को जोड़ने का मुद्दा भी उठा था। इसके साथ ही सरकार की उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया था। अब बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक हरियाणा के सूरजकुंड में 27-28 होने जा रही है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे पर वाहनों की गति सीमा घटी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोहरे के कारण होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य के पांच प्रमुख एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा कम की है। उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा विभाग ने कम दृश्यता को देखकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोहरे की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह शीतकालीन गति सीमा 15 नवंबर, 2026 से लेकर 15 फरवरी, 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान, सुबह 08:00 बजे से रात 08:00 बजे तक नई नियम लागू रहने वाले है। इसके तहत, कारों के लिए अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है, जबकि यात्री बसों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा और मालवाहक ट्रकों के लिए 50 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित किया गया है। जिन पांच एक्सप्रेसवे पर नियम लागू, उसमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। यह कदम कोहरे के कारण होने वाले गंभीर हादसों को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिनमें अक्सर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। गति सीमा कम होने से चालकों को आपात स्थिति में वाहनों को नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश यातायात निदेशालय ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे ठंड और कोहरे के मौसम में सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित गति सीमा का कड़ाई से पालन करें।

सीएम योगी के गृह क्षेत्र में सपा की पदयात्रा पर बीजेपी ने कसा तंज कहा- 2047 तक सत्ता में नहीं आ सकते अखिलेश

लखनऊ , एजेंसी। यूपी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले सियासी पारा चढ़ने लगा है। सीएम योगी आदित्यनाथ को उनके ही गृह क्षेत्र में राजनीतिक चुनौती देने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गोरखपुर में करीब 20 किलोमीटर लंबी एक भव्य रोड शो और पदयात्रा निकाल रहे हैं। इसको लेकर बीजेपी ने तंज कसा है और कहा कि बीजेपी को अखिलेश की पदयात्रा से कोई चिंता नहीं है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सत्ता में नहीं आ पाएगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव चाहे गोरखपुर, सैफई या लखनऊ में कहीं भी यात्रा निकाल लें, सपा का भविष्य पहले भी अंधकार में था, आज भी है और आगे भी रहेगा। समाजवादी पार्टी 2047 तक उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने के सपने तो देख सकती है, लेकिन असल में वे सत्ता में नहीं आ सकते। अखिलेश यादव यह बात बहुत अच्छी तरह जानते हैं। बता दें यूपी में 2027 के फरवरी या मार्च में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीजेपी ने 255 सीटों पर जीत दर्ज कर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की थी, जबकि मुख्य विपक्षी दल के रूप में समाजवादी पार्टी ने 111 सीटें जीती थीं। अब जहां बीजेपी विकास और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तीसरी बार सत्ता की हैट्रिक लगाने की कोशिश कर रही है।

ऐसे बयान भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है

आर्थिक आपदा वाले बयान पर बीजेपी ने किया राहुल गांधी पर पटलवार

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए बयान ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि भारत आर्थिक आपदा की कगार पर खड़ा है। उनके इस बयान पर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीखा हमला बोला और उन पर विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र और देश की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी के इस बयान की आलोचना करते हुए बीजेपी नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है, जिसकी वजह से वे जब भी विदेश जाते हैं, तो भारत के बारे में बुरा-भला कहते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया मानती है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और भारतीय लोकतंत्र का दुनिया भर में सम्मान है। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी ने हर बार विदेश जाकर भारत के खिलाफ बोला है!...एक जिम्मेदार विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी खुद एक आपदा हैं!

राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि भारत में राहुल गांधी की कोई बात नहीं सुनता, इसलिए वे विदेश जाकर ऐसी बातें करते हैं। घोष ने कहा कि एक अंधे व्यक्ति को दिन में भी अंधेरा ही दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और पिछले 12 सालों से लोग खुश हैं। केवल सत्ता के भूखे लोग ही दुखी हैं।

बता दें राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक गंभीर आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, जिसका कारण व्यापक बेरोजगारी और देश की शिक्षा प्रणाली को लेकर गहरी चिंताएं हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक सभा को संबोधित



करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सीधी बात यह है कि भारत एक आर्थिक आपदा के मुहाने पर खड़ा है। यही हकीकत है। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, मीडिया भी इसे नजरअंदाज कर सकता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी की एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत की शिक्षा प्रणाली में भी एक बहुत बड़ी समस्या है।

दिल्ली में ढहती इमारतें: जानलेवा लापरवाही का सिलसिला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इमारतों के ढहने का जानलेवा सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित ज्वाला नगर में रेलवे लाइन के पास एक करीब 40 साल पुराना दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में मलबे में दबने से तीन साल के मासूम देवांश और 35 वर्षीय पिंटू की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना राजधानी में पुराने और असुरक्षित भवनों की निगरानी व्यवस्था पर फिर गंभीर सवाल खड़े करती है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह महीनों में दिल्ली में इमारतों के ढहने के सात बड़े हादसे सामने आए हैं, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं से प्रशासन की जर्जर भवनों की पहचान, उनकी मरम्मत या उन्हें खाली कराने की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। ज्वाला नगर में गिरी इमारत करीब चार दशक पुरानी थी और जानकारी के अनुसार, मकान मालिक ने लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं की थी। बताया गया कि करीब 700 गज की जमीन पर बने इस परिसर में 30 कमरे थे और करीब 70 किरायेदार रहते थे, जो इमारत की क्षमता और उसकी मौजूदा स्थिति को लेकर संदेह पैदा करता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह इमारत नगर निगम की खतरनाक भवनों की सूची में शामिल नहीं थी। उत्तर-पूर्वी निगम जोन के अधिकारी ने पुष्टि की कि भवन निगम के रिकॉर्ड में खतरनाक इमारत के तौर पर दर्ज नहीं था, जिससे भवनों के सर्वे और निगरानी की प्रभावशीलता पर सीधा सवाल खड़ा होता है। राजधानी में तेजी से बढ़ती आबादी और सीमित आवासीय विकल्पों के कारण पुराने मकानों में बड़ी संख्या में किरायेदार मजबूरन रह रहे हैं। कई जगह भवनों में जरूरत से ज्यादा कमरे बनाकर किराये पर दिए जाते हैं।

अयोध्या और नेपाल के जनकपुर के बीच नई ट्रेन सेवा का होगा शुभारंभ

- पीएम मोदी और बालेन शाह दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या को बिहार के सीतामढ़ी से होकर नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ने वाली नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण ट्रेन का शुभारंभ 23 नवंबर को होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। माना जा रहा है कि यह सेवा नेपाल के प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान शुरू होगी, जो मार्च में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी।



यह ट्रेन अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम के बीच करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या को माता सीता से जुड़े स्थल जनकपुर और सीतामढ़ी से जोड़ने वाले मार्ग से तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अपने सफर के दौरान यह ट्रेन कुल 10 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती और गोरखपुर तथा बिहार के नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शिशो, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं। इसके बाद यह ट्रेन जयनगर के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर जनकपुर धाम पहुंचेगी। रेलवे के तय कार्यक्रम के अनुसार, यह ट्रेन हर सोमवार को अयोध्या कैंट से रवाना होगी और वापसी में हर शनिवार को जनकपुर धाम से चलेगी। भारतीय रेलवे का मानना है कि इस सीमा पार ट्रेन सेवा के शुरू होने से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ-साथ पढ़ाई, व्यापार और काम के सिलसिले में आने-जाने वाले लोगों के लिए यात्रा बेहद सुगम हो जाएगी। इस रूट पर स्थित दोनों देशों के प्रमुख शहरों में पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले: शिक्षा, सुरक्षा और न्याय पर व्यापक प्रभाव

मुंबई , एजेंसी । मुंबई में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राज्य के गृह, उच्च व तकनीकी शिक्षा, वस्त्र उद्योग और विधि व न्याय विभागों से संबंधित कई बड़े निर्णय लिए गए।

इन फैसलों में, सुरक्षा बलों से नक्सलियों द्वारा लूटे गए हथियारों की जानकारी देने वालों के लिए नकद इनाम योजना शुरू करने का अहम फैसला शामिल है। इस पहल का उद्देश्य ऐसी गुप्त सूचनाओं को प्रोत्साहित करना है, जिससे राज्य में आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर सके।

इसके अलावा, राज्य में उच्च और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महाराष्ट्र पब्लिक यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2016 में संशोधन को मंजूरी दी गई। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे, जिससे महाराष्ट्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा मिल सकेगी।

वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कैबिनेट ने राज्य की इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल टेक्सटाइल इंडस्ट्री पॉलिसी में भी संशोधन को स्वीकृति दी। इस निर्णय के तहत, पालघर जिले को अब जोन-1 में शामिल किया जाएगा, जबकि जोन-4 को रद्द कर विस्तार के नियमों में भी बदलाव किए जाएंगे। इन संशोधनों से पालघर में वस्त्र संबंधी व्यापार और निवेश को गति मिलने की उम्मीद है।

न्यायिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कैबिनेट ने पालघर जिले में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट के साथ-साथ चीफ मजिस्ट्रेट कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसके अतिरिक्त, पालघर में सरकारी वकीलों के कार्यालय और उनसे संबंधित सहायक पदों के सृजन को भी हरी झंडी दिखाई गई है। इन फैसलों से पालघर जिले में न्यायिक प्रशासन मजबूत होगा और आम लोगों को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय मिल सकेगा।

पंजाब चुनाव: शिअद से गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : पाटिल

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी सी आर पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी 2027 में पंजाब विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ संभावित गठबंधन का निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा, न कि वे स्वयं। केंद्रीय मंत्री पाटिल का यह बयान तब आया है जब 2027 के चुनावों के लिए भाजपा और शिअद के फिर से साथ आने की अटकलें तेज हैं। दोनों दलों का 24 साल पुराना गठबंधन सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में टूट गया था, हालांकि अब वे कानून निरस्त हो चुके हैं।



अपने पंजाब दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री पाटिल ने चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय का दौरा किया, जहां उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, सांसद सतनाम सिंह संधू सहित कई अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में चुनावी सफलताओं का हवाला देकर दावा किया कि पार्टी पंजाब में भी जीत हासिल करेगी।

गठबंधन की संभावनाओं पर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा, यह फैसला पार्टी नेताओं को करना है। हमारे नेता इस बारे में निर्णय लेने वाले है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक कार्यकर्ता हैं और गठबंधन को लेकर शिअद के साथ किसी भी बैठक की जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के साथ किसी भी बातचीत से इंकार कर कहा कि अगर कोई बातचीत होनी है, तब वह पार्टी के वरिष्ठ नेता करने वाले हैं, इसमें उनकी कोई दखल नहीं है।

राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताकर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधकर कहा कि पंजाब के लोग मौजूदा हालात से वाकिफ हैं और इस सरकार से छुटकारा पाना चाहते हैं। करतारपुर गलियारे को फिर से खोलने के मुद्दे पर उन्होंने प्रधानमंत्री के पूर्व प्रयासों की सराहना की और विश्वास जताया कि भविष्य में भी सभी की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा।

होर्मुज में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर पर हमला, 24 भारतीयों को सुरक्षित निकाला

दो घायल, एक लापता, भारत ने जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को बताया चिंताजनक

नई दिल्ली , एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक और व्यावसायिक जहाज को निशाना बनाया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि इस सप्ताह की शुरुआत में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर एमटी तारा गैस पर हुए हमले के बाद चालक दल में शामिल एक भारतीय नागरिक लापता हो गया है, जबकि दो अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गए। राहत की बात यह है कि टैंकर पर सवार सभी 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित रेस्क्यू कर निकाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने होर्मुज में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर पर हुए हमले की निंदा की है। साथ ही, भारत ने एक बार फिर मांग दोहराई है कि व्यावसायिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद किया जाए। मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित खसाब पहुंचा दिया गया है। घायल हुए दो भारतीय चालक दल के सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक अभी भी लापता बताया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ओमान में स्थित भारतीय दूतावास, ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर चल रहे खोज और बचाव अभियान पर नजर रख रहा है। भारत ने कहा कि हम बचाव कार्यों में ओमान सरकार द्वारा दी गई त्वरित मदद और सहयोग की सराहना करते हैं। नई दिल्ली ने कहा कि इस क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और ये नागरिक नाविकों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप, अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर जहाजों की आवाजाही और व्यापार को बिना किसी रुकावट के जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 10 नवंबर को लाइबेरिया के झंडे वाला फुजैराह एनर्जी जिस पर 6 भारतीय नाविक सवार थे - अल रुवाइस से दुबई जाते समय फारस की खाड़ी में प्रोजेक्टाइल की चपेट में आ गया था। इस हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए थे, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी



शामिल है। उसे मामूली चोटें आई हैं और आगे की चिकित्सीय जांच के लिए सुरक्षित रूप से किनारे पर ले आया गया है। चालक दल के बाकी 18 सदस्य, जिनमें अन्य 5 भारतीय नाविक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं और सभी का पता चल गया है।

पंजाब में भाजपा की समरसता संकल्प यात्रा का आगाज़, आप पर निशाना

जालंधर , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब के जालंधर में समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई। भाजपा नेताओं ने दौरे का मकसद सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) के कुशासन से राज्य को बचाना और पंजाब को फिर से सही रास्ते पर लाना बताया। जालंधर जिले के आदमपुर स्थित गुरु रविदास जी महाराज हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उनका स्वागत पंजाब भाजपा प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों और पार्टी प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने किया।

बीजेपी प्रवक्ता शेरगिल ने बताया कि यह यात्रा गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के सम्मान में आयोजित की गई है। उन्होंने कहा, नितिन नवीन पंजाब की पवित्र भूमि से प्रार्थना करने वाले हैं कि राज्य को आप के कुशासन से बचाया जा सके, जिस सरकार ने राज्य को नशीले पदार्थों, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के अंधेरे में धकेल दिया है। वे गुरु रविदास महाराज जी से पंजाब का पुराना गौरव वापस लौटने और राज्य को पूरे भारत में फिर से नंबर एक बनाने की भी प्रार्थना



करने वाले है।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय सांपला ने बताया पंजाब से शुरू हुई यह यात्रा चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित कुल सात राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 3 दिसंबर को वाराणसी में समाप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समापन कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले है। बीजेपा नेता अश्वनी सेखरी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य गुरु रविदास जी से जुड़ी घटनाओं को मनाना और उनके दिए गए आदर्शों व शिक्षाओं का सम्मान करना है। भाजपा के अनुसार, समरसता संकल्प यात्रा 3 दिसंबर तक पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में संत रविदास जी के संदेश का प्रसार करेगी। यह आयोजन तब हो रहा है जब भाजपा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती को साल भर चलने वाले एक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मना रही है।

दिल्ली में एक्यूआई का स्तर सुधरा, लोगों ने ली राहत की सांस, 11.6 डिग्री रहा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में मंगलवार को नवंबर की अब तक की सबसे साफ हवा दर्ज की गई और एक्यूआई 204 रहा। इस बीच शहर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी सुबह रही और सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री रहा। इस महीने 'खराब' श्रेणी में 204 के एक्यूआई के साथ दिल्ली की हवा सबसे बेहतर रही। इससे कई दिनों से बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बाद लोगों को कुछ राहत मिली है। बता दें इससे पहले दिल्ली में 31 अक्टूबर को एक्यूआई 117 दर्ज किया गया था, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। आंकड़े दर्ज करने वाले 58 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 31 'खराब' श्रेणी में रहे, 26 में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' दर्ज की गई, जबकि एक केंद्र, सिरीफोर्ट में 303 एक्यूआई के साथ वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। दिल्ली में नवंबर के ज्यादातर समय धुंध छाई रही और प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहा।

ड्राई फ्रूट्स की मालाओं से सजेगा बाबा श्याम का दरबार

श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को धूमधाम से मनाया जाएगा जन्मोत्सव

क्रांति समय

सूरत। कार्तिक शुक्ल पक्ष की पावन एकादशी के अवसर पर वीआईपी रोड, वेसू स्थित श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को बाबा श्याम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल रुंगटा एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग किया गया है। बाबा श्याम के साथ सालासर बालाजी एवं शिव परिवार का भी भव्य और अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा।



इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के ड्राई फ्रूट्स से तैयार आकर्षक मालाओं से बाबा श्याम का दरबार सजाया जाएगा। इसके अलावा मंदिर परिसर को बांसुरी, खिलौनों, पांच हजार चॉकलेट और करीब 100 किलो टॉफियों से विशेष रूप से सजाया जाएगा। जन्मोत्सव के दौरान मध्यरात्रि में बाबा श्याम को मिल्क केक का भोग अर्पित किया जाएगा तथा विशेष आरती की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के पट सुबह मंगला आरती से लेकर पूरी रात खुले रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लंदन में भिड़े बांग्लादेशी: शेख हसीना समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, कई गंभीर घायल

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों की लड़ाई अब देश की सरहदों को भी पार कर गई है। दरअसल सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम के समर्थकों में लंदन में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं और चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाहिद इस्लाम इन दिनों लंदन के दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में पार्टी समर्थकों को संबोधित करेंगे। सोमवार शाम को लंदन के मेफेयर वेन्यू में भी नाहिद इस्लाम की पार्टी का कार्यक्रम था। एनसीपी ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में बताया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक भी वेन्यू के बाहर इकट्ठा हो गए और एनसीपी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। एनसीपी का आरोप है कि अवामी लीग के समर्थकों ने एनसीपी समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से हिंसक झड़प शुरू हो गई।

घंटों टीवी देखते हैं तो सावधान! किडनी को पहुंच सकता बड़ा नुकसान, डायबिटीज मरीजों के लिए खतरा ज्यादा

लंदन, एजेंसी। खाली समय में टीवी देखना भले ही मनोरंजन का आसान तरीका हो, लेकिन घंटों तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने की आदत आपकी किडनी की सेहत पर भारी पड़ सकती है। क्योंकि लंबे समय तक टीवी देखने की आदत सिर्फ आंखों और वजन पर ही असर नहीं डालती, बल्कि इसका संबंध किडनी की सेहत से भी हो सकता है। मेडिकल जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना अधिक समय टीवी देखने में बिताते हैं, उनमें किडनी की कार्यक्षमता तेजी से घटने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन समेत कई देशों के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की सेहत के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। करीब 12 वर्षों तक प्रतिभागियों की किडनी की कार्यक्षमता में होने वाले बदलावों पर नजर रखी गई। इसमें अधिक समय तक टीवी देखने वाले लोगों में किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संबंध सामने आया। अध्ययन में सबसे अहम बात यह सामने आई कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की कार्यक्षमता घटने के बीच संबंध अधिक मजबूत पाया गया। दरअसल, डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर बढ़ा रहने से किडनी की छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इससे किडनी की खून को छानने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने की क्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है। ऐसे में डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचना बेहद जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक टीवी देखने का मतलब अक्सर लगातार बैठे रहना है। शारीरिक गतिविधि कम होने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

देश में विमानों की भारी कमी, 1000 और नए विमान खरीदने की तैयारी में भारत: पीयूष गोयल

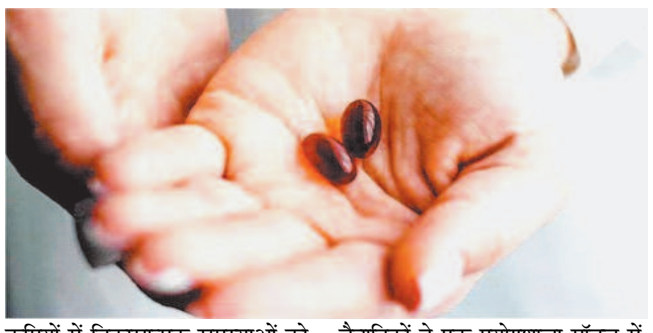
काहिरा , एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में नागरिक विमानों की भारी कमी है और हवाई यातायात की मांग पूरी करने के लिए 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। गोयल ने यह भी कहा कि विमानों की जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें हवाई संपर्क बढ़ाने की जरूरत है। जैसे-जैसे हमें और विमान मिलेंगे, हमें विश्वास है कि हम मिस्र के लिए और अधिक उड़ानें शुरू कर सकेंगे। गोयल भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। फिलहाल इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानों का संचालन करती है। गोयल के मुताबिक, भारत फिलहाल विमानों की भारी कमी का सामना कर रहा है। गोयल ने कहा, हम 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे चुके हैं और 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने को तैयार हैं। हमारी जरूरतें पूरी करने के लिए हमें 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। इसलिए हम जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, गोयल ने सोमवार को मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की।

विटामिन बी12 में बड़ी ताकत... लाइलाज बीमारी से मिल सकती राहत

लंदन, एजेंसी। अक्सर थकान या कमजोरी दूर करने के लिए लिया जाने वाला साधारण सा विटामिन बी12 अब एक बेहद गंभीर और दुर्लभ बीमारी के इलाज में उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। वैज्ञानिकों की एक ताजा रिसर्च में सामने आया है कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम जैसी लाइलाज मानी जाने वाली आनुवंशिक बीमारी से होने वाली शारीरिक कमियों को काफी हद तक ठीक कर सकता है।

साइंसडेली वेबसाइट पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया है कि विटामिन बी12 ने वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले कृमियों में विकासात्मक असामान्यताओं को काफी हद तक ठीक कर दिया है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ विकार है जो विकास संबंधी समस्याओं और विकास में देरी का कारण बनता है। मानव रोगियों में भी इसी तरह के चयापचय परिवर्तन देखे गए, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि यह सामान्य विटामिन दुर्लभ आनुवंशिक रोगों के लिए नए उपचारों को प्रेरित कर सकता है।

विटामिन बी12 से जुड़ी एक आश्चर्यजनक खोज दुर्लभ आनुवंशिक विकारों को समझने और संभावित रूप से उनका इलाज करने के लिए नए रास्ते खोल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले छोटे



कृमियों में विकासात्मक समस्याओं को ठीक कर सकता है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ मानव स्थिति है जो विकास में देरी, बाधित वृद्धि और बौनेपन का कारण बनती है। वेबसाइट के अनुसार, ये निष्कर्ष आरएनए स्प्लिसिंग नामक एक कोशिकीय प्रक्रिया पर केंद्रित हैं, जो कोशिकाओं द्वारा प्रोटीन उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले आनुवंशिक निर्देशों को तैयार करने में मदद करती है। स्प्लिसिंग के दौरान, मैसेंजर आरएनए के अनावश्यक हिस्सों को हटा दिया जाता है, और शेष भागों को सही क्रम में एक साथ जोड़ा जाता है। जब यह प्रक्रिया गलत हो जाती है, तो यह आवश्यक कोशिकीय कार्यों को बाधित कर सकती है और गंभीर विकासात्मक विकारों में योगदान कर सकती है। स्प्लिसिंग के लिए जिम्मेदार जीनों में उत्परिवर्तन से वेरहेइज सिंड्रोम जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इन आनुवंशिक परिवर्तनों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने एक प्रयोगशाला मॉडल में यह अध्ययन किया कि एक संबंधित उत्परिवर्तन वृद्धि और चयापचय को कैसे प्रभावित करता है। विटामिन बी12 कृमियों में विकासात्मक दोषों को उलट देता है यह खोज सी. एलिगेंस नामक एक छोटे गोलकृमि पर किए गए प्रयोगों से सामने आई, जिसका उपयोग आमतौर पर जैविक अनुसंधान में किया जाता है। शोधकर्ता शुरू में जीवनकाल को प्रभावित करने वाले अज्ञात जीनों की खोज कर रहे थे, जब उन्होंने आरएनए स्प्लिसिंग में शामिल एक जीन में उत्परिवर्तन की जांच शुरू की। यही जीन मनुष्यों में वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़ा है। उत्परिवर्तन वाले कृमियों में मानव विकार के महत्वपूर्ण लक्षणों से मिलती-जुलती समस्याएं विकसित हुईं। उनकी वृद्धि काफी धीमी हो गई और वे सामान्य से छोटे रह गए। यह पता लगाने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक जांच की और कृमियों के चयापचय का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि उत्परिवर्तन ने विशिष्ट चयापचय मार्गों को बाधित कर दिया जो विटामिन बी12 पर निर्भर करते हैं और स्वस्थ विकास और सामान्य कोशिकीय गतिविधि के लिए आवश्यक हैं। इसके बाद शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि क्या अतिरिक्त विटामिन बी12 प्रदान करने से इन परिवर्तनों को प्रतिकारा जा सकता है। वेबसाइट के अनुसार, इस इलाज से प्रभावित मेटाबॉलिक प्रक्रियाएं सामान्य हो गईं और म्यूटेशन से जुड़ी विकासात्मक असामान्यताएं भी ठीक हो गईं। इस अध्ययन के पहले लेखक जोनाथन कोल्शबैक कहते हैं, हमें यह देखकर हैरानी हुई कि आरएनए प्रोसेसिंग की एक बुनियादी प्रक्रिया में बदलाव का, विटामिन बी12 पर निर्भर मेटाबॉलिज्म पर इतना सटीक असर पड़ा। वेबसाइट के अनुसार, जोनाथन कोल्शबैक ने आगे कहा, सबसे रोमांचक बात यह थी कि हम विटामिन बी12 का इस्तेमाल करके, वर्म मॉडल (कीड़ों के मॉडल) में इस बदलाव के नतीजों को काफी हद तक ठीक करने में कामयाब रहे। यह जानने के लिए कि क्या उनके निष्कर्ष इंसानों पर भी लागू हो सकते हैं, शोधकर्ताओं ने मानव कोशिकाओं से जुड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट की जांच की। उन्होंने कोलोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के न्यूरो-पीडियाट्रिशियन होर्मोस डफसारी के साथ मिलकर, वेरहेइज सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों के रक्त के नमूने भी एकत्र किए।

यूक्रेन शांति वार्ता: बातचीत में प्रगति पर क्या बोले ट्रंप के दामाद कुशनर, भविष्य के तीन आधारों में क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और यूक्रेन-रूस जंग के बीच शांति बहाली के लिए नियुक्त विशेष दूत-जेरेड कुशनर ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने यूक्रेन के भविष्य के लिए तीन प्रमुख आधारों का जिक्र कर इसे वार्ता और शांति बहाली की रूपरेखा बताया। तीन बिंदुओं में विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी, यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता का मार्ग और युद्ध खत्म होने के बाद व्यापक आर्थिक समृद्धि योजना शामिल है।

सोमवार को कुशनर ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थायी शांति बहाल करने का दृढ़ संकल्प लिया है। बकौल कुशनर, अमेरिका युद्ध और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि कुशनर ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ रूसी खेमे से बातचीत के बाद ये बयान दिया। रूस की तरफ से अमेरिका से बात करने वाले लोगों में राष्ट्रपति पुतिन के सहायक यूरी उषाकोव शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया में प्रगति पर चर्चा हुई।

शांति वार्ता के मुख्य आधार क्या हैं : कुशनर ने यूक्रेन के लिए तीन आवश्यक आधार बताए हैं। पहला, भविष्य के आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी। दूसरा, यूरोप में यूक्रेन के दीर्घकालिक भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता का मार्ग। तीसरा, यूरोपीय साझेदारों, विश्व बैंक और अन्य के साथ विकसित एक व्यापक युद्धोपरांत समृद्धि योजना। यह योजना यूक्रेन की वित्तीय स्थिरता, पुनर्निर्माण, निवेश और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेगी। कुशनर ने जोर दिया कि कोई भी अंतिम शांति समझौता रूस और यूक्रेन दोनों की सहमति से ही होगा।

कूटनीतिक प्रयासों में कौन शामिल हैं : कुशनर ने यूक्रेन और यूरोपीय साझेदारों के साथ एक उपयोगी बातचीत भी की। इसमें जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और इटली के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे। यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के प्रतिनिधि भी इस बातचीत में मौजूद थे। उन्होंने यूरोप और रूस के बीच सीधी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि नाटो यूरोपीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेनी, अमेरिकी और यूरोपीय वार्ता दलों के बीच एक और दौर की चर्चा हुई है। युद्ध के सम्मानजनक अंत और यूक्रेन के लिए गारंटीशुदा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

अमेरिका के प्रमुख बैंकों में आई भारी तकनीकी खराबी: ठप हुई ऑनलाइन सेवाएं, चेक डिपॉजिट और पेमेंट अटके

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कई बड़े बैंकों की ऑनलाइन और डिजिटल सेवाएं अचानक ठप हो गईं। आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार बैंक ऑफ अमेरिका, जेपीमॉर्गन चेस, यूएस बैंक, कैपिटल वन, ट्रुइस्ट और वेल्स फार्गो जैसे प्रमुख बैंकों के ग्राहकों ने अपने खातों तक पहुंच न मिलने और लेन-देन अटकने की व्यापक शिकायतें दर्ज कराईं।

चेस बैंक के 4,800 से ज्यादा ग्राहकों ने की शिकायत, सिस्टम डाउन का मिला संदेश : सोमवार सुबह से शुरू हुई यह समस्या दोपहर तक और गंभीर हो गई। पूर्वी समय के अनुसार दोपहर 2 बजे तक अकेले जेपीमॉर्गन चेस बैंक के 4,800 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने सेवाएं बाधित होने की रिपोर्ट दर्ज कराई, जो सभी बैंकों में सबसे अधिक थी। चेस बैंक के कई ग्राहकों को मोबाइल और ऑनलाइन पोर्टल पर संदेश मिला कि कुछ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, हम इन्हें ठीक कर रहे हैं, कृपया बाद में प्रयास करें। डलास (टेक्सास) में एक ग्राहक जब शाखा में चेक जमा करने गया, तो बैंक कर्मचारी ने बिना कोई विस्तृत विवरण दिए केवल इतना कहा कि सिस्टम डाउन है।

साइबर हमला नहीं, केवल तकनीकी गड़बड़ी: चेस और यूएस बैंक का स्पष्टीकरण : बैंकिंग सेवाओं के अचानक ठप होने से साइबर हमले की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन चेस बैंक के प्रवक्ता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि यह समस्या किसी साइबर हमले के कारण नहीं बल्कि एक तकनीकी बग के कारण आई है। प्रवक्ता ने कहा कि कुछ लेन-देन पूरा होने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, लेकिन ग्राहकों की अपने खातों और फंड तक पहुंच बनी हुई है। वहीं, यूएस बैंक के प्रवक्ता ने भी कहा कि उनके अपने सिस्टम सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हुए हैं, लेकिन अन्य वित्तीय संस्थानों की प्रणाली में आई खराबी के कारण जेल पेमेंट भेजने या प्राप्त करने में देरी हो सकती है। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म जेल का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों ने भी सेवाएं ठप होने की शिकायत की।

वॉशिंगटन में ट्रंप के अफसरों पर डर्टी बम हमले की साजिश?: अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा; व्हाइट हाउस सतर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को नई जानकारी मिली है, जिसके मुताबिक ईरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए वॉशिंगटन डीसी में डर्टी बम या रासायनिक हथियार से हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में सात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह से संभावित हमले से निपटने के लिए आकस्मिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, अमेरिकी व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि फिलहाल देश के भीतर किसी विश्वसनीय खतरे की जानकारी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लॉरेन बिस ने कहा कि प्रशासन सभी संभावित खतरों पर



लगातार नजर रख रहा है।

डर्टी बम हमले की आशंका, अमेरिकी एजेंसियां सतर्क : सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी में ईरान की ओर से संभावित ठिकानों और निशाने पर रखे जाने वाले लोगों का जिक्र है। इस मामले को लेकर हाल के दिनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इनमें चर्चा की गई कि अगर ईरान अमेरिका के भीतर किसी असामान्य हथियार से हमला करता है तो उससे कैसे निपटा जाएगा।

एक अमेरिकी अधिकारी ने इन तैयारियों को एहतियाती कदम बताया। वहीं, एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों के बीच इस बात पर अभी भी चर्चा जारी है कि ईरान के पास ऐसी कार्रवाई करने की क्षमता और इरादा है या नहीं।

क्या होता है डर्टी बम, परमाणु बम से कितना अलग : डर्टी बम ऐसा विस्फोटक उपकरण होता है, जिसमें पारंपरिक विस्फोटक के साथ रेडियोधर्मी पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर परमाणु विस्फोट करना नहीं, बल्कि विस्फोट के जरिए रेडियोधर्मी पदार्थ फैलाकर दहशत और प्रदूषण पैदा करना होता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि परमाणु हथियार बनाने की तुलना में डर्टी बम तैयार करना आसान हो सकता है। सीएनएन से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह का कोई भी हथियार आतंक फैलाने का माध्यम है, न कि सटीक हमले का। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान से जुड़े संभावित खतरों के कारण अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को एहतियात के तौर पर सैन्य आवास में स्थानांतरित कर दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां पहले भी ईरान की ओर से मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों की जांच करती रही हैं। ईरान ने रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज किया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल को पूरी तरह अवैध मानता है। उन्होंने इन आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

तीन देशों में गोपनीय अभियान: इस्राइल ने 40 साल तक खोजा अपना पायलट, ईरानी जनरल का अपहरण कर की हत्या

इस्राइल, एजेंसी। इस्राइल ने करीब चार दशक पहले लापता हुए अपने एक पायलट को खोजने के लिए लेबनान, सीरिया और ईरान तक खुफिया अभियानों का जाल फैलाया था। इस मिशन में ईरान के दो सैन्य अधिकारियों का अपहरण किया गया। इनमें से एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे की हत्या कर शव समुद्र में फेंकने का दावा किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने खतरनाक अभियानों के बावजूद इस्राइल अपने पायलट का पता नहीं लगा सका। अब इन गुप्त कार्रवाइयों से जुड़े नए खुलासों ने पूरे मामले को फिर चर्चा में ला दिया है। यह पूरा अभियान इस्राइली वायुसेना के पायलट रॉन अराद की तलाश से



जुड़ा था। वह 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय विमान में धमाका होने के बाद पैराशूट से नीचे उतरे थे। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। इसके बाद लेबनान के शिया मिलिशिया संगठन अमल ने उन्हें पकड़ लिया। शुरुआत में संगठन ने उनकी रिहाई के बदले करोड़ों डॉलर और कैदियों को छोड़ने की मांग की थी, लेकिन बाद में उनका कोई पता नहीं चला। ईरान लेबनान के शिया संगठनों का बड़ा समर्थक था, इसलिए इस्राइल को शक था कि अराद को ईरान ले जाया गया है। सितंबर 2021 में इस्राइली खुफिया अधिकारियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी कमांडर जनरल अब्दुल्ला साबेरी को निशाना बनाया। वह राजनयिक इलाके में सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एजेंटों ने उन्हें दबोच लिया और बेहोश करके फ्रिज के एक बड़े डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें वहां से उठा लिया गया। जनरल साबेरी ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी अधिकारी थे। इस्राइली एजेंट उनसे केवल रॉन अराद के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते थे। लंबी पूछताछ और प्रताड़ना के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक सड़क पर छोड़ दिया गया। ईरानी जनरल अलीरेजा असगरी दिसंबर 2006 में तुर्किये के इस्तांबुल स्थित एक होटल से अचानक लापता हो गए थे। करीब दो दशक तक उनकी गुमशुदगी एक रहस्य बनी रही। अब सामने आए दावों के मुताबिक, मोसाद के एजेंटों ने रॉन अराद के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनका अपहरण किया था। उन्हें एक नाव पर ले जाकर कई हफ्तों तक पूछताछ की गई। जब उनसे अराद के बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली तो उनकी हत्या कर दी गई।

एनवीडिया: जेनसन हुआंग की कंपनी में बतौर सीईओ वापसी मुश्किल, रिपोर्ट में दावा- बोर्ड का ऐसा कोई विचार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेनसन हुआंग की एनवीडिया के सीईओ पद पर वापसी हो सकती है और इसके लिए कई तकनीकी दिग्गज समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि अब एक रिपोर्ट में इन दावों को खारिज कर दिया गया है और कहा गया है कि बोर्ड जेनसन हुआंग की सीईओ के तौर पर वापसी को लेकर विचार नहीं कर रहा है।

जेनसन हुआंग की वापसी का किया गया था दावा : फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एनवीडियो का नेतृत्व करने के लिए जेनसेन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कई तकनीकी दिग्गज हुआंग की वापसी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। हुआंग कंपनी में वापसी के लिए अपने भरोसेमंद लोगों से बात कर रहे हैं। वहीं एनवीडिया का बोर्ड उनके मामले की जांच कर रहा है। हुआंग के एक करीबी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उनकी बहाली के लिए लॉबिंग करने की तैयारी है और इसके लिए एक नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस से भी मदद मांगी गई है। जो टेक दिग्गज जेनसन हुआंग को पसंद करते हैं, वे इस कैंपेन का समर्थन कर रहे हैं। दावा किया गया कि कई कर्मचारियों ने भी हुआंग की वापसी का समर्थन किया और एक ओपन लैटर पर अपने साइन किए।

अमेरिकी सरकार में ही इसे लेकर विरोधाभास : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एनवीडिया सीईओ के पद पर हुआंग की वापसी



के समर्थन में है। सोमवार को मनीला में 49वें आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले रिपोर्टर्स से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हुआंग की सीईओ पद पर वापसी से उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सह-संस्थापक ने सबक सीख लिया है। हालांकि ट्रंप के ही वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अलग राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि एनवीडिया को बदलाव की जरूरत है और कंपनी को एक बाहरी एग्जीक्यूटिव चाहिए। बेसेंट ने ये भी सवाल उठाया कि क्या हुआंग ने चीन में चिप्स की कथित तस्करी की तरफ से अपनी आंखें मूंदी हुई थी?

चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग के साथ रिश्तों के चलते जेनसन हुआंग ने 33 साल एनवीडिया के सीईओ पद पर रहने के बाद बीती 12 नवंबर को पद छोड़ दिया था। हुआंग के विवाहेतर संबंधों की जांच चल रही है। आरोप है कि हुआंग ने प्रतिबंधित एआई चिप्स बीजिंग भेजे थे। जेनसन हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर की वाइस प्रेसीडेंट किम्बर्ली पॉवेल के साथ भी कथित तौर पर रिश्ते थे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण की बढ़ी मुश्किलें: चटगांव से ढाका जेल शिफ्ट

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को चटगांव सेंट्रल जेल से ढाका सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव से ढाका ले जाया गया। इस अचानक हुए स्थानांतरण को लेकर उनके वकीलों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि चिन्मय कृष्ण लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ढाका जेल में उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन की व्यवस्था नहीं होने से उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चिन्मय कृष्ण के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि उनके आध्यात्मिक नेता सख्त शाकाहारी हैं और वैष्णव परंपरा का पालन करते हैं। वह अपना भोजन खुद बनाकर ही खाते हैं। चटगांव जेल में उनके साथ बंद एक अन्य आरोपी रंगनाथन ब्रह्मचारी उन्हें भोजन तैयार करने में मदद करते थे।

वकील बोले- ढाका जेल में सिर्फ फल खाकर रह रहे : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को लिवर की गंभीर बीमारी है। ऐसे में वह किसी भी तरह का भोजन नहीं कर सकते। चटगांव जेल में उन्हें खाने-पीने की सुविधा मिल रही थी, लेकिन



ढाका सेंट्रल जेल में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

वकील ने दावा किया कि ढाका जेल पहुंचने के बाद से वह केवल फल खाकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन और सुविधाएं नहीं मिलीं तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को सोमवार सुबह ढाका ले जाया गया था। उन्हें लेकर जाने वाला वाहन सुबह करीब 10 बजे ढाका सेंट्रल जेल पहुंचा। कौन हैं चिन्मय कृष्ण दास, क्यों हुई थी गिरफ्तारी? चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के मामले में हुई थी। इससे पहले 31 अक्तूबर 2024 को चटगांव के चांदगांव पुलिस थाने के अंतर्गत मोहड़ा वार्ड बीएनपी के तत्कालीन महासचिव फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण समेत 19 लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया था। बाद में बीएनपी ने फिरोज खान को उनके पद से हटा दिया था।

वकील की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं चिन्मय कृष्ण : 26 नवंबर 2024 को चिन्मय कृष्ण दास की जमानत सुनवाई को लेकर चटगांव कोर्ट परिसर में हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम की कथित तौर पर पीटकर और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा पुलिस पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, वकीलों और न्याय मांगने पहुंचे लोगों पर हमले तथा विस्फोटक फेंकने से जुड़े पांच अन्य मामले भी दर्ज किए गए थे। 1 जुलाई 2025 को जांच अधिकारी ने चटगांव की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास समेत 38 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपपत्र पर असहमति जताते हुए नाराजी याचिका दायर की। 25 अगस्त 2025 को अदालत ने सुकांत दत्ता समेत 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र स्वीकार कर लिया। फिलहाल इस मामले में चटगांव डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।
अधिकारियों के मुताबिक, बैठक में दिल्ली सरकार के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की गई और प्रदूषण प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी तथा कार्रवाई पर जोर दिया गया।
मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में प्रदूषण से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने को लेकर भी चर्चा की गई।
गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ सक्रिय है और राजधानी में स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है।



प्रदूषण से बिगड़ रही सांसों की सेहत, जीटीबी अस्पताल में विशेष ओपीडी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच आंखों में जलन, गले में खराश, लगातार खांसी और सांस लेने में परेशानी की शिकायतें बढ़ रही हैं। सबसे अधिक खतरा अस्थमा और सांस की पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को है। ऐसे लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में विशेष ओपीडी की सुविधा शुरू की गई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, इस ओपीडी में प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक मरीज डॉक्टरों से परामर्श ले सकते हैं। यहां खांसी, सांस फूलने, सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याओं का उपचार किया जा रहा है। जीटीबी की यह ओपीडी पूर्वी दिल्ली के मरीजों के लिए राहत का विकल्प है।

बच्चों और बुजुर्गों को अधिक खतरा

चिकित्सकों के मुताबिक, प्रदूषण के बारीक कण फेफड़ों तक पहुंचकर सूजन और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ा सकते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। डॉक्टरों ने लगातार खांसी, सांस फूलने और सीने में जकड़न को नजरअंदाज न करने की सलाह दी है।

वकीलों को धमकाने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का सख्त रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को निलंबित दिल्ली पुलिस अधिकारी मनस्वी वशिष्ठ, एक अन्य अधिकारी विकास यादव और गृह मंत्रालय (एमएचए) को नोटिस जारी कर उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें वकीलों को कथित तौर पर धमकाने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांबरे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने उन्हें चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने केंद्र सरकार को ऑनलाइन घूम रहे उन वीडियो की जांच करने और उन्हें हटाने पर विचार करने का भी निर्देश दिया, जिनमें वशिष्ठ को वकीलों के खिलाफ टिप्पणी करते हुए और विकास यादव को वकीलों के खिलाफ एके-47 इस्तेमाल करने की धमकी देते हुए देखा जा सकता है। गौरतलब है कि अदालत ने जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने वाले याचिकाकर्ता को 48 घंटे के भीतर सरकार को सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही सरकार से उन अकाउंट्स की भी जांच करने को कहा, जिनसे ऐसे वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं। इस बीच गृह मंत्रालय की ओर से पेश हुईं वकील ने अदालत को बताया कि वशिष्ठ को 2 नवंबर को निलंबित कर दिया गया था और मंत्रालय उनके खिलाफ चार्जशीट पर विचार और मंजूरी देने की प्रक्रिया में है। वकील ने कहा कि वह इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेंगी। हाई कोर्ट एडवोकेट करण बीर सिंह की उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें वकीलों के लिए सुरक्षा उपायों की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि सेवारत दिल्ली पुलिस कर्मियों द्वारा वकीलों को धमकाया गया, डराया गया और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। यह याचिका 2 नवंबर को सहायक पुलिस आयुक्त वशिष्ठ के नेतृत्व में वकीलों के खिलाफ पुलिस विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में आई है। याचिका के अनुसार, एक पुलिसकर्मी ने सार्वजनिक रूप से धमकी दी थी कि वकीलों के खिलाफ एके-47 राइफल का इस्तेमाल किया जाएगा।

मुंडका में 1500 वर्ग गज में फैले कबाड़ में लगी आग, दमकल की नौ गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया में बुधवार सुबह करीब 1500 वर्ग गज क्षेत्र में फैले कबाड़ में आग लग गई। दमकल की नौ गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 5:12 बजे मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया में मेट्रो पिलर संख्या 578 के पास आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। सुबह 5:47 बजे तक दमकल की कुल नौ गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई थीं। आग खुले इलाके में रखे कबाड़ में लगी थी, जो करीब 1500 वर्ग गज क्षेत्र में फैला हुआ था। दमकलकर्मियों ने काफी प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग और संबंधित एजेंसियां घटना के कारणों की जांच कर रही हैं।

बाहरी दिल्ली में शर्मनाक वारदात, 9 साल की बच्ची से पड़ोसी की घिनौनी हरकत; माता-पिता के लौटते ही खुला राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आउटर नार्थ दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर इलाके में 9 साल की मासूम बच्ची के साथ कथित छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार देर शाम की है। जानकारी के अनुसार, सुबह से ही मासूम बच्ची के माता-पिता काम पर गए हुए थे। इसी दौरान उसी मकान में रहने वाले अरुण (उम्र करीब 45 से 50 वर्ष) पर अपने कमरे में बुलाकर बच्ची के साथ गलत हरकत करने का गंभीर आरोप है।

मां को रो-रोकर बताई आपबीती

बताया जा रहा है कि माता-पिता के घर लौटने के बाद बच्ची ने अपनी मां को रो-रोकर पूरी आपबीती बताई, जिसके तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित अरुण को हिरासत में ले लिया है और मामले में आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई जारी है। घटना के बाद पीड़ित परिवार दहशत में है, परिवार की मांग है कि बच्ची को इंसाफ मिले और आरोपित के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

दिल्ली : तिलक नगर गुरुद्वारे में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर स्थित एक गुरुद्वारे में सिख धर्मग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लगभग 45 साल का आरोपी पिछले बृहस्पतिवार को नशे की हालत में गुरुद्वारे में दाखिल हुआ और उसने पवित्र ग्रंथ के पन्ने कथित तौर पर फाड़ दिए। वह जब मंगलवार को गुरुद्वारे लौटा तो वहां मौजूद निहंगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि उस व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 (किसी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से धर्मस्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) और धारा 299 (किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान करके उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली के 13 रेलवे स्टेशनों का हो रहा है विकास, 8976 करोड़ की परियोजनाओं पर काम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में रेलवे परियोजनाओं पर करीब 8,976 करोड़ रुपये के कार्य चल रहे हैं। दिल्ली के 13 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए दिल्ली में रेलवे विकास के लिए 2,711 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट निर्धारित करने के लिए आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, नई रेल सेवाओं, यात्री सुविधाओं के विस्तार और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने से दिल्ली की रेल कनेक्टिविटी और अधिक बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के रेल नेटवर्क को मजबूत बनाने के क्रम में पिछले दिनों नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ करने से दिल्ली और उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़ और गाजियाबाद होते हुए नई दिल्ली पहुंचेगी। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस ट्रेन में स्वचालित दरवाजे, कवच सुरक्षा प्रणाली और आरामदायक बर्थ जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे पर्यटन, व्यापार, धार्मिक यात्राओं और क्षेत्रीय आवागमन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

'शीश महल' जनता के लिए खोलना जरूरी था, नेताओं की कथनी और करनी का अंतर सामने आना चाहिए: उदित राज

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार के 'शीश महल' को आम जनता के लिए खोलने के फैसले पर कांग्रेस नेता उदित राज ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना जरूरी हो गया था, क्योंकि जनता को यह जानने का अधिकार है कि नेता जो कहते हैं, वास्तव में उनका आचरण उससे कितना अलग है। उन्होंने कहा कि बड़ा बंगला बनाना अपने आप में कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन जिस व्यक्ति ने बड़े बंगले, सुरक्षा और गाड़ियों के काफिले से दूर रहने का दावा किया था, उसी का आलीशान आवास बनना कई सवाल खड़े करता है।
कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि जिस समय देश कोरोना महामारी के संकट से गुजर रहा था, उस समय 'शीश महल' का निर्माण कराया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को बदनाम करने और सत्ता से हटाने की राजनीतिक साजिश के दौरान बड़े-बड़े दावे किए गए थे। ऐसे में जनता के सामने नेताओं की कथनी और करनी का अंतर उजागर करना जरूरी है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों पर सवाल उठाते हुए उदित राज ने कहा कि प्रधानमंत्री वर्षों से विदेश यात्राएं कर रहे हैं, लेकिन इन दौरों से देश को क्या ठोस लाभ मिला है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। भारत की वैश्विक छवि और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के बाद अक्सर केवल उनके स्वागत, मुलाकातों, तस्वीरों और विदेशी नेताओं से गले मिलने की चर्चा होती है, जबकि इन यात्राओं के रचनात्मक परिणामों पर ज्यादा बात नहीं होती।
उन्होंने कहा कि पहले के प्रधानमंत्रियों के विदेश दौरे बहुत ज्यादा प्रचारित नहीं होते थे। उनके आने-जाने की खबरों से अधिक उनके काम और उपलब्धियों पर ध्यान दिया जाता था। उदित राज ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से देश को कौन-से ठोस परिणाम मिले हैं?
पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी के 'खून और पानी साथ नहीं बह सकते' वाले बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या इसके बाद पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी की एक बूंद भी रोकी जा सकी? उन्होंने कहा कि यदि केंद्र में कांग्रेस या यूपीए की सरकार होती और पाकिस्तान को किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया जाता, तो भाजपा इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाकर विरोध करती। अब भाजपा को भी अपनी नीतियों पर जवाब देना चाहिए।
दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर भी उदित राज ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पटाखों के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ा है और राजधानी में अब भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और दमघोंटू हालात बने हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें जिम्मेदारी निभाने के बजाय विपक्ष की तरह धरना-प्रदर्शन करती नजर आती हैं, जबकि दिल्ली में सरकार के पास कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त अधिकार और जिम्मेदारी दोनों हैं।

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों में 24वें स्थान पर: कुशमैन

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों की सूची में 24वें स्थान पर बरकरार है। यहां सालाना किराया 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड ने यह जानकारी दी।
कुशमैन एंड वेकफील्ड ने कहा कि खान मार्केट भारत का सबसे महंगा प्रमुख खुदरा बाजार बना हुआ है।
न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू लंदन के न्यू बॉन्ड स्ट्रीट को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे महंगा प्रमुख खुदरा बाजार बन गया है।
कंपनी ने कहा, ''दिल्ली का खान मार्केट दुनिया की सबसे महंगी खुदरा कारोबारी सड़कों में 24वें स्थान पर बरकरार है।''
खान मार्केट में खुदरा दुकानों की जगह की मजबूत मांग से किराया सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट (1,875 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह) हो गया।
कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट 'मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2026' का यह 36वां संस्करण है। इसमें दुनिया के 147 प्रमुख खुदरा बाजारों में प्रमुख किराये का आकलन किया गया है।
रिपोर्ट के अनुसार, न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू दुनिया की सबसे महंगी खुदरा कारोबारी सड़क के रूप में फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। यहां सालाना किराया 35 प्रतिशत बढ़कर 2,700 डॉलर प्रति वर्ग फुट हो गया। वर्ष 2025 में यह तीसरे स्थान पर था।
लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट 2,230 डॉलर प्रति वर्ग फुट सालाना किराये के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद मिलान का विया मोंटेनापोलियोने 2,160 डॉलर प्रति वर्ग फुट किराये के साथ तीसरे स्थान पर रहा। पिछले वर्षों में किराये में उल्लेखनीय वृद्धि के बाद इन दोनों बाजारों में बीते साल किराया स्थिर रहा।
सभी बाजारों में स्थानीय मुद्रा के आधार पर किराये में सालाना औसतन तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह 2025 में दर्ज 4.3 प्रतिशत की वृद्धि से कम है।
सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे खुदरा बाजारों (49 प्रतिशत) में किराये बढ़े, जबकि 19 प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई। शेष 32 प्रतिशत बाजारों में किराया स्थिर रहा।
कुशमैन एंड वेकफील्ड के वैश्विक आर्थिक शोध संस्थान में अंतरराष्ट्रीय शोध प्रमुख डोमिनिक ब्राउन ने कहा, ''दुनिया भर में किराये की वृद्धि की रफ्तार भले ही धीमी हुई है, लेकिन दुनिया के सबसे स्थापित खुदरा बाजारों में जगह पाने के लिए प्रतिस्पर्धा अब भी काफी कड़ी है।''
ब्राउन ने कहा, ''फिफ्थ एवेन्यू का फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंचना दिखाता है कि जब खुदरा विक्रेताओं की मांग मजबूत हो और उपलब्ध जगह सीमित हो, तो किराये कितनी तेजी से बढ़ सकते हैं।'' भारतीय बाजार के बारे में कुशमैन एंड वेकफील्ड के खुदरा कारोबार-भारत प्रमुख मिलिन रोहिनेश ने कहा कि मजबूत खपत, खुदरा विक्रेताओं के लगातार विस्तार और प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग के दम पर खुदरा बाजार की बुनियाद मजबूत बनी हुई है।
उन्होंने कहा, ''दुनिया के प्रमुख खुदरा बाजारों में खान मार्केट की स्थिति और एशिया-प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) की रैंकिंग में भारत के प्रमुख खुदरा बाजारों की उल्लेखनीय मौजूदगी यह दर्शाती है कि वैश्विक स्तर पर भारत के खुदरा बाजार की पहचान बढ़ रही है और प्रमुख शहरों में मांग कितनी मजबूत है।''

दिल्ली हाईकोर्ट ने आपराधिक मामलों में विविध आवेदनों पर 15 दिन में आदेश देने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी की सभी आपराधिक अदालतों को निर्देश दिया है कि विविध आवेदनों (मिस्लेनियस एप्लीकेशन्स) पर दलीलें पूरी होने के 15 दिनों के भीतर आदेश सुनाया जाए। न्यायमूर्ति गिरीश कथपलिया ने यह आदेश करण कपूर की याचिका पर दिया। याचिका में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175(3) के तहत यह बताया गया था कि ट्रायल कोर्ट में दलीलें सुनने के बावजूद आदेश में अनावश्यक देरी हो रही थी। अदालत ने कहा कि देरी बाहरी कारणों जैसे मामलों की अधिकता या साक्ष्यों की कमी के बजाय आंतरिक प्रक्रियात्मक खामियों के कारण होती है। बार-बार स्थगन और स्पष्टीकरण के नाम पर तारीखें लगाना न्याय प्रक्रिया में बाधा डालता है। आदेश देते समय दलीलें न्यायाधीश के दिमाग में ताजा रहनी चाहिए, ताकि जन विश्वास बना रहे। न्यायालय ने बीएनएसएस की धारा 258(1) का हवाला देते हुए कहा कि फैसले 30 दिनों (विशेष कारणों से 45 दिनों तक) में दिए जाने का प्रावधान है। इसी सिद्धांत को विविध मामलों पर भी लागू किया जाना चाहिए। इस आदेश की प्रति दिल्ली के सभी प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को भेजने का निर्देश दिया गया है, ताकि पूरे दिल्ली में एक समान समय-सीमा लागू हो। इससे आपराधिक मुकदमों में अनावश्यक देरी कम होने और न्याय प्रणाली की दक्षता बढ़ने की उम्मीद है।

सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर 21 हजार वर्ग मीटर में बनेगा कमर्शियल हब, एनसीआरटीसी ने आमंत्रित की निविदा

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के प्रमुख परिवहन केंद्र सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर अब व्यावसायिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलने जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने स्टेशन परिसर में प्रॉपर्टी डेवलपमेंट के लिए निविदा आमंत्रित की है। इस परियोजना के तहत स्टेशन के मौजूदा ट्रैक और संरचनाओं के ऊपर उपलब्ध खाली वर्टिकल स्पेस का इस्तेमाल कर 21,063 वर्ग मीटर का बिल्डेबल एरिया विकसित किया जाएगा।
इस स्थान पर होटल, कार्यालय, को-वर्किंग स्पेस, रेस्तरां, रिटेल आउटलेट और संस्थागत सुविधाओं समेत कई तरह की व्यावसायिक गतिविधियां विकसित की जा सकेंगी। इससे रियल एस्टेट डेवलपर्स और निवेशकों को दिल्ली के एक बेहद महत्वपूर्ण स्थान पर कारोबार शुरू करने का बड़ा अवसर मिलेगा। एनसीआरटीसी की इस पहल का उद्देश्य केवल स्टेशन पर व्यावसायिक निर्माण करना नहीं है, बल्कि इसे एक आधुनिक मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट और कमर्शियल हब के रूप में विकसित करना है। इसके लिए एयर-राइट्स डेवलपमेंट मॉडल अपनाया जाएगा। इसके तहत जमीन पर अतिरिक्त जगह की आवश्यकता के बिना मौजूदा परिवहन ढांचे के ऊपर उपलब्ध स्थान का उपयोग किया जाता है। इससे स्टेशन के आसपास की व्यावसायिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा।
सराय काले खां स्टेशन दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का प्रमुख स्टेशन है। इसकी भौगोलिक स्थिति इसे दिल्ली-एनसीआर के सबसे महत्वपूर्ण परिवहन केंद्रों में शामिल करती है। यहां से दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और वीर हकीकत राय अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) तक यात्रियों को कनेक्टिविटी मिलती है। इसके अलावा रिंग रोड, डीएनडी फ्लाईवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़ाव के कारण सड़क मार्ग से भी यहां पहुंचना आसान है।
एनसीआरटीसी के मुताबिक, फरवरी 2026 में परिचालन शुरू होने के बाद से यह स्टेशन दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के प्रमुख यात्री केंद्रों में उभरा है। यहां से दिल्ली के साथ गाजियाबाद, मेरठ और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों की आवाजाही होती है। भविष्य में इस स्टेशन का महत्व और बढ़ने की संभावना है। आने वाले समय में सराय काले खां स्टेशन नमो भारत नेटवर्क के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रस्तावित फेज-1 के दो अन्य प्रमुख कॉरिडोर दिल्ली-गुरुग्राम-बहरोड़ और दिल्ली-पानीपत-करनाल के लिए भी इसे प्रारंभिक स्टेशन के रूप में विकसित करने की योजना है।
इन कॉरिडोर के शुरू होने के बाद दक्षिण दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और एनसीआर के अन्य शहरों से आने-जाने वाले यात्रियों को इस केंद्र से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या और व्यावसायिक गतिविधियों में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है।
इस परियोजना के तहत विकसित होने वाला कमर्शियल स्पेस किसी अलग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की तरह नहीं होगा, बल्कि इसे एलिवेटेड स्टेशन के पूरे परिवेश के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसका सीधा जुड़ाव स्टेशन परिसर से रहेगा। ऐसे में यात्रियों को खरीदारी, खान-पान, कार्यालय और अन्य जरूरी सेवाओं के लिए स्टेशन से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वे अपनी यात्रा के दौरान ही इन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।
इससे यात्रियों के समय की बचत होने के साथ-साथ स्टेशन परिसर में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सार्वजनिक परिवहन और व्यावसायिक सुविधाओं के एकीकरण से लोगों को निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करने में भी मदद मिलेगी। यमुना नदी कॉरिडोर के नजदीक स्थित इस परियोजना स्थल के आसपास पर्याप्त खुला क्षेत्र मौजूद है। प्रमुख सड़कों से इसकी दृश्यता भी बेहतर है।
एनसीआरटीसी के अनुसार, इस विकास परियोजना को दिल्ली के मास्टर प्लान-2047 (एमपीडी-2047) के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली और वर्षा जल संचयन जैसी पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं को भी शामिल किया जाएगा। एनसीआरटीसी का मानना है कि इस परियोजना से सराय काले खां स्टेशन की व्यावसायिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होगा और दिल्ली-एनसीआर में आधुनिक ट्रांजिट आधारित विकास को बढ़ावा मिलेगा।
वहीं, निवेशकों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के लिए अधिक यात्री फुटफॉल और बेहतर लोकेशन के कारण यह एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकता है। परियोजना में रुचि रखने वाले रियल एस्टेट डेवलपर्स और अन्य इच्छुक बोलीदाता ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से अपनी भागीदारी दर्ज करा सकते हैं। निविदा से संबंधित पात्रता मानदंड, नियम एवं शर्तें और आवेदन की समय-सीमा की विस्तृत जानकारी एनसीआरटीसी की आधिकारिक वेबसाइट और केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है।

बीमा पॉलिसी पर कर्ज दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जीवन बीमा पॉलिसी के बदले कर्ज दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित गोयल ने बताया कि आरोपियों ने महावीर एन्क्लेव, पालम निवासी एक व्यक्ति से 2.76 लाख रुपये की ठगी की थी। उन्होंने कहा कि पीड़ित ने 14 जुलाई 2020 को जीवन बीमा पॉलिसी खरीदी थी, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह उसकी किस्तें जमा नहीं कर पा रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने उससे संपर्क कर बीमा पॉलिसी के बदले कर्ज दिलाने की पेशकश की और उन्होंने खुद को बैंक और बीमा अधिकारी बताकर प्रसंस्करण शुल्क, फाइल चार्ज, निकासी शुल्क, जीएसटी और अन्य खर्चों के नाम पर उससे बार-बार पैसे जमा कराए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित को एक फर्जी संदेश भी भेजा, जिसमें दावा किया गया कि उसके खाते में 41,94,659.83 रुपये जमा किए गए हैं और इस रकम को जारी कराने के लिए और पैसे मांगे। इस तरह पीड़ित ने अलग-अलग बैंक खातों में 2,76,012 रुपये स्थानांतरित कर दिए।
अधिकारी ने बताया कि हालांकि, उसे न तो कर्ज मिला और न ही रकम वापस की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान तारिफ अनवर (34), अंसार अहमद (47), ओमेश्वर दयाल शर्मा (36) और अमित कुमार शर्मा (36) के रूप में हुई है। इन्हें दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया कि आरोपी बीमा पॉलिसी धारकों का डेटा जुटाते थे और उन्हें बैंक एवं बीमा अधिकारी बनकर फोन करते थे। ठगी की रकम हासिल करने और उसे आगे स्थानांतरित करने के लिए वे कमीशन पर बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें ठगी से संबंधित चैट, बैंक खातों का विवरण और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। मामले की जांच जारी है।

ठंड बढ़ने के साथ डेंगू का असर घटा, इस माह 90 से 61 पर पहुंचे मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ ही दिल्ली में डेंगू का प्रकोप भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा है। नवंबर में सामने आ रहे मरीजों के आंकड़े इसकी तस्दीक कर रहे हैं। महज एक पखवाड़े में डेंगू के साप्ताहिक मामलों में करीब एक तिहाई की गिरावट दर्ज की गई है। दो नवंबर को जहां 90 मामले सामने आए थे, वहीं नौ नवंबर को इनकी संख्या घटकर 78 रह गई। अब 17 नवंबर की रिपोर्ट में एक सप्ताह के दौरान डेंगू के 61 मामले दर्ज किए गए हैं। दिवाली के बाद मामलों में आई इस गिरावट को तापमान में कमी के साथ-साथ पटाखों से निकले धुएं से भी जोड़कर देखा जा रहा है। एमसीडी ताजा की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में इस साल डेंगू के कुल 1,222 मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले साल इसी अवधि तक 1,257 मरीज सामने आए थे। यानी पिछले साल की तुलना में इस बार अब तक 35 मामले कम हैं। हालांकि, आंकड़ों में यह अंतर बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन नवंबर में लगातार घटते साप्ताहिक मामले राहत के संकेत दे रहे हैं। राहत वाली बात है कि वर्ष 2026 में अब तक डेंगू से किसी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है। इसके मुकाबले वर्ष 2025 में चार, 2024 में 11 और 2023 में 19 मरीजों की जान गई थी।

अक्तूबर में सबसे ज्यादा बढ़े थे मामले

इस साल डेंगू का असर अक्तूबर में सबसे अधिक देखने को मिला। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में 286 मरीज मिले थे, जबकि अक्तूबर में यह संख्या बढ़कर 486 हो गई। नवंबर में 139 मामले दर्ज किए गए हैं। अब साप्ताहिक आंकड़ों में भी गिरावट दिखाई दे रही है। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ मच्छरों की सक्रियता कम होने से आने वाले दिनों में मामलों में और कमी आने की उम्मीद है।

द्वारका पुलिस ने 3 किलो गांजे के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार, चांदी के आभूषण और 59 हजार रुपये बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिले के बाबा हरिदास नगर थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3.032 किलोग्राम गांजा, चांदी के आभूषण और 59 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक स्कूटी को भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 30 वर्षीय नवीन के रूप में हुई है। आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, द्वारका जिले के डीसीपी आईपीएस कुशल पाल सिंह के निर्देश पर तथा नजफगढ़ सब-डिवीजन के एसीपी राज कुमार की देखरेख में नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। बाबा हरिदास नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अजय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम में एसआई ध्यानेंद्र प्रताप, हेड कांस्टेबल दिनेश, हेड कांस्टेबल अमित और कांस्टेबल राजेश भाटी शामिल थे। टीम को इलाके में निगरानी बढ़ाने और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुलिस के अनुसार टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मी दिल्ली के नजफगढ़ स्थित बंगाली क्लिनिक के पास गुप्ता मार्केट वाली गली में पहुंचे। वहां एक व्यक्ति स्कूटी पर सफेद प्लास्टिक का थैला लेकर जाता दिखाई दिया।
</